2020 से 2022

Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक -310 गुरूवार ,15 सितम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

चोटी पर वही पहुंचते हैं,जो तराई में गिरना सीख लेते हैं।
-स्वामी अगेहानंद-

छत्तीसगढ़ समेत इन राज्यों की कई जनजातियां एसटी में होंगी शामिल

मोदी कैबिनेट ने लगायी मुहर

नई दिल्ली, 14 सितम्बर 2022। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को एक संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी प्रदान कर दी जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में कई जनजातीय समुदायों को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में शामिल करने का प्रस्ताव है.

छत्तीसगढ़ में एसटी की सूची में बिझिया समुदाय को शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र के हट्टी समुदाय को अधिसूचित अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति की सूची में बिझिया समुदाय तथा तमिलनाडु के पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले नारिकुर्वन और कुरिविकरण समुदाय को भी इस सूची में शामिल करने के प्रस्ताव वाले संविधान संशोधन विधेयकों को भी मंजूरी प्रदान की गई. मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने यह जानकारी दी.।

हट्टी समुदाय के करीब 1.6 लाख लोगों को सरकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ

संविधान (अनुसूचित जनजाति) आदेश (तीसरा संशोधन) विधेयक 2022 के कानून बनने के बाद सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र में रहने वाले हट्टी समुदाय के करीब 1.6 लाख लोगों को अनुसूचित जनजाति के लिये बनाई गई सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलेगा. सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि सिरमौर जिले के ट्रांस-गिरी क्षेत्र के हट्टी समुदाय के लोग लम्बे समय से यह मांग कर रहे थे कि उन्हें अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिया जाए. उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में जौनसार क्षेत्र में ऐसे ही लोगों को यह दर्जा प्राप्त है. ऐसे में यह ऐतिहासिक निर्णय किया गया है।

बिझिया समुदाय को छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में शामिल करने को भी मंजूरी

जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि बिझिया समुदाय को ओडिशा और झारखंड में अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में रखा गया है लेकिन छत्तीसगढ़ में ऐसा नहीं था. उन्होंने बताया कि इस संबंध में सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया गया है. इसे राज्य से सिफारिश आने, भारत के महापंजीयक से सलाह करने और अंतर मंत्रालयी विमर्श के बाद मंत्रिमंडल के समक्ष रखा गया और इसे मंजूरी मिली. मुंडा ने कहा कि मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु के पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले नारिकुर्वर और कुरूविकरण को भी इस सूची में शामिल करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

झारखंड में 1932 खतियान के आधार पर बनेगी स्थानीय नियोजन नीति

हेमंत सोरेन सरकार का बड़ा फैसला

झारखंड , 14 सितम्बर 2022। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज राज्यवासियों के हित में बड़ा फैसला लिया है. यह फैसला चिरप्रतिक्षित 1932 के खतियान से जुड़ा हुआ है. आज हुई कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कुल 41 प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की. इसमें से 1932 के खतियान को पारित करने का फैसला,सबसे बड़ा फैसला है. आज हुए कैबिनेट के फैसले के मुताबिक 1932 खतियान के आधार पर स्थानीय नियोजन नीति बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

राज्य में ओबीसी को अब 27 फीसदी आरक्षण

1932 के खतियान के अलावा ओबीसी को झारखंड में 27 परसेंट आरक्षण देने के फैसले पर भी मुहर लगायी गयी. आज के कैबिनेट की बैठक में आरक्षण को लेकर सरकार ने कैबिनेट में एक विधेयक लाया है. जिसमें एससी को 12 प्रतिशत, एसटी को 28 प्रतिशत, अत्यंत पिछड़ा वर्ग को 15 प्रतिशत, पिछड़ा वर्ग को 12 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लिए 10 प्रतिशत यानी कुल 77 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है. झारखंड में अब कुल 77 फीसदी आरक्षण दिया जायेगा. सामान्य वर्ग के लिए 23 फीसदी सीटें बची है।

कैबिनेट के अन्य महत्वपूर्ण फैसले

- आंगनबाड़ी केंद्र और लघु आंगनबाड़ी केंद्रों में 6000 प्रतिवर्ष खर्च कर खरीदे जायेंगे बरतन
- 468 करोड़ रुपये से राज्य के 86 प्रखंडों में प्रखंड कार्यालय भवन का होगा निर्माण
- राज्य में स्टैंप शुल्क में हुई 2 फीसदी की वृद्धि
- अब जमीन और फ्लैट का रजिस्ट्रेशन शुल्क कुल राशि का 9 फीसदी होगा
- झारखंड वित्त विधेयक- 2022 के प्रस्ताव को मिली स्वीकृति
- कोल्हान विश्वविद्यालय अंतर्गत डिग्री महाविद्यालय (जुगसालय) में 29 प्रोफेसर और प्राचार्य के पद सृजित करने की मिली मंजूरी
- विभावि के पांच नये डिग्री कॉलेज में प्राचार्य समेत 145 अध्यापकों के पद होंगे सृजित.
- चार करोड़ रुपये खर्च कर के मंत्रियों के लिए खरीदे जाएंगे स्कॉट वाहन
- स्कूलों में बच्चों को अब 5 दिन मिलेगा अंडा।

ज्ञानवापी और हिजाब मामले में ओवैसी ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली , 14 सितम्बर 2022। प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ज्ञानवापी केस में कोर्ट के फैसले पर बड़ा बयान दिया है. वहीं हिजाब मामले पर भी ओवैसी ने अपनी राय रखी है. एक मीडिया में प्रकाशित ओवैसी के बयान के मुताबिक, 'मेरा मानना है कि वो फैसला (ज्ञानवापी फैसला) गलत है। ये फैसला पूजा स्थल अधिनियम 1991 के खिलाफ है। ये भविष्य में ऐसे बहुत से मसलों को खोल देगा। ये फैसला देश में अस्थिर प्रभाव पैदा कर सकता है।'

ओवैसी ने हिजाब मामले पर कहा कि 'हिजाब मुसलमानों के लिए जरूरी धार्मिक प्रथा है। अगर सरकारी स्कूल अन्य धार्मिक प्रतीकों की अनुमति दे रहे हैं, तो इसको क्यों नही दिया जा रहा है। महिला अपने सर पर पहन रही है अपने दिमाग पर नहीं। अगर कोई लड़की हिजाब पहनना चाहती है तो आप उसे क्यों रोकना चाहते हैं?'

आपको बता दें कि हाल में ज्ञानवापी मस्जिद मामले को लेकर वाराणसी जिला न्यायालय का बड़ा फैसला आया था। न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि ज्ञानवापी का मामला सुनने लायक है। इसलिए इस मामले में सुनवाई जारी रहेगी। जिला कोर्ट का ये फैसला हिंदू पक्ष के हक में आया था।

आजम खान को पड़ा दिल का दौरा,गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती

नई दिल्ली/लखनऊ, 14 सितम्बर 2022। Samajwadi Party के कद्दावर नेता Azam Khan को हार्ट अटैक आया है. तबीयत बिगड़ने पर आजम खान को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं डॉक्टर्स लगातार उनके हेल्थ पैरामीटर्स पर नजर रखे हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स से मिल रही जानकारी के मुताबिक, आजम खान के दिल की एंजियोप्लास्टी सर्जरी कर हार्ट में एक स्टंट डाला गया है। कोरोना काल के दौरान ही संक्रमित हो चुके आजम खान अपने कारावास के वक्त से ही खराब सेहत से परेशान हैं।

कोरोना के समय अस्पताल में उनकी हालत काफी गंभीर थी और उन्हें कई हफ्ते तक मेदांता अस्पताल में ही रहना पड़ा था। खराब सेहत के आधार पर आजम ने कई बार जेल से जमानत भी मांगी थी। लेकिन यूपी की अदालतों से उन्हें राहत नहीं मिली।

घर में टाइल्स लगवाने के बाद नहीं दिए पैसे,पेमेंट नहीं मिलने से भड़का मिस्त्री, बाहर खड़ी मर्सिडीज में लगा दी आग

नोएडा , 14 सितम्बर 2022। घर में टाइल्स लगवाने के बाद एक मिस्त्री को काम की पेमेंट पूरी नहीं दी गई. गुस्से में आकर मिस्त्री ने टाइल्स लगवाने वाले की लग्जरी कार मर्सिडीज पर पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी और मौके से फरार हो गया. जिसका वीडियो शोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है.

पूरा मामला उत्तर प्रदेश के नोएडा का है. सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के सदरपुर इलाके में एक शख्स ने अपने घर में टाइल्स लगवाया लेकिन मिस्त्री को पूरी मजदूरी नहीं दी. इससे आक्रोशित मिस्त्री ने बाहर खड़ी कार पर आग लगा दी. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ है. वीडियो में देखा जा सकता है कि मिस्त्री बाइक पर सवार होकर आता है. उसने हेलमेट पहना हुआ है. वह बाइक से उतरकर मर्सिडीज के पास जाता है. गाड़ी में आग लगाता है. फिर बाइक में बैठकर वहां से फरार हो जाता है.

बताया जा रहा है कि कार मालिक ने मिस्त्री से घर पर टाइल लगवाई थीं. कार मालिक ने उसे काम के पूरे पैसे नहीं दिए. वह बार-बार पेमेंट मांगता रहा. लेकिन कार मालिक ने फिर भी उसे पूरे पैसे नहीं दिए. इसी के चलते मिस्त्री एक बार फिर कार मालिक के घर पहुंचा. लेकिन जैसे ही उसने देखा कि बाहर उस शख्स की मर्सिडीज खड़ी है. गुस्से में आकर मिस्त्री ने उस पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा दी.

बेगूसराय फायरिंग के खिलाफ भाजपा का बंद, गिरिराज सिंह ने खोला मोर्चा

पटना, 14 सितम्बर 2022। बिहार के बेगूसराय जिले में मंगलवार की शाम बाइक पर सवार दो बदमाशों द्वारा 11 लोगों को गोली मार देने की घटना के बाद अब बिहार की सियासत गर्म हो गई है। इस बीच, भाजपा ने बुधवार को बेगूसराय बीएनडी बुलाया है। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राज्य में 'जंगलराज' बताते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। बेगूसराय के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक बाइक पर सवार दो लोगों द्वारा की गई गोलीबारी की घटना में 1 व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 10 से 11 लोग घायल हो गए। बेगूसराय जाने के क्रम में पटना पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, ÷दुर्भाग्य है कि बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है। बिहार में जंगलराज की परिभाषा बदल दी गई, अब जनता राज बताया जा रहा।÷

उन्होंने कहा ÷मुख्यमंत्री को भय लगता है कि जिस दिन जंगलराज कहूंगा, उस दिन उपमुख्यमंत्री उन्हें सत्ता से हटा देंगे।÷

कांग्रेस को बड़ा झटका :

गोवा के 8 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल

पणजी, 14 सितम्बर 2022। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बीच गोवा में कांग्रेस को करारा झटका लगा है। राज्य में पार्टी के 11 विधायकों में से 8 ने भाजपा का दामन थाम लिया है। इसके चलते अब 40 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के अब तीन ही विधायक बचे हैं। केदार नाइक, संकल्प अमोनकर, राजेश फलदेसाई और रुडोल्फ फर्नांडीस भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले विधायकों में हैं। कांग्रेस को यह झटका ऐसे वक्त में लगा है, जब राहुल गांधी की लीडरशिप में पार्टी तमिलनाडु से जम्मू-कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है। ऐसे में गुलाम नबी आजाद के पार्टी छोड़ने और फिर 8 विधायकों की टूट ने उसे करारा झ.टका दिया है।

गोवा के राजनीतिक इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

गोवा के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब कांग्रेस के राज्य में महज तीन ही विधायक बचे हैं। बता दें कि दिगंबर कामत और माइकल लोबो पार्टी से लंबे समय से नाराज बताए जा रहे थे और जुलाई में भी उन्होंने बगावत की कोशिश की थी, लेकिन कुछ विधायकों का साथ नहीं मिला था। ऐसे में दलबदल कानून लागू होने के डर से भाजपा में जाने का प्लान टाल दिया गया था। भाजपा में शामिल होने से पहले कांग्रेस के विधायकों ने सीएम प्रमोद सावंत से मुलाकात की थी। यही नहीं माइकल लोबो और दिगंबर कामत ने पिछले दिनों दिल्ली की भी यात्रा की थी।

गोवा में कांग्रेस को लगा तगड़ा झटका

माना जा रहा है कि इन नेताओं ने इस दौरान भाजपा की टॉप लीडरशिप से मीटिंग की थी। उसके बाद ही भाजपा में शामिल होने का फैसला लिया गया। गोवा में कांग्रेस को लगा यह झटका उसके मनोबल पर भी असर डालने वाला है, जो लगातार संकटों से उबरने की कोशिश कर रही है। भारत जोड़ो यात्रा के जरिए कांग्रेस देश के 12 राज्यों में पदयात्रा निकाल रही है। उसे उम्मीद है कि इससे उसके कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ेगा और जनता में भी कनेक्ट बढ़ेगा। लेकिन इस संकट ने उसकी चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईओडब्ल्यू दफ्तर पहुंची अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस से हो रही है पूछताछ

नई दिल्ली, 14 सितम्बर 2022। 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फ़िल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा के दफ्तर पहुंची हैं । जैकलीन को मामले में समन कर बुलाया गया था । आज सुबह 11 बजे दिल्ली के मंदिर मार्ग स्थित आर्थिक अपराध शाखा के दफ्तर में जैकलीन हाजिर हुई है।

जानकारी के अनुसार, जैकलीन फर्नांडिस से दिल्ली पुलिस की पूछताछ शुरू हो चुकी है । इस दौरान जैक्लीन को पिंकी ईरानी के साथ आमने-सामने बिठाकर पूछताछ की जा रही है। दिल्ली पुलिस ने ठग सुकेश चन्द्रशेखर मामले में जैकलीन फर्नांडीज के लिए तैयार की सवालों की लम्बी लिस्ट है । सभी सवाल ठग सुकेश चन्द्रशेखर के साथ जैकलीन फर्नांडिस के रिश्ते और उससे मिले गिफ्ट पर होंगे । उससे ये भी पूछा जाएगा कि पहली बार सुकेश से कैसे और किसके जरिये सम्पर्क में आई ।

उस दौरान कितनी बार सुकेश से मिली या फोन पर संपर्क किया । जो गिफ्ट जैकलीन ने हासिल किए थे, वो गिफ्ट लेने की शुरुआत कब और कहां से हुई और किसके जरिये ये गिफ्ट मिलने शुरू हुए थे । जैकलीन फर्नांडिस लीना के सम्पर्क में कैसे आई और कितनी बार वो उनसे मिलीं थीं । साथ ही ईओडब्ल्यू ने पिंकी ईरानी को भी जांच में शामिल होने के लिए तलब किया है । उन्होंने सुकेश को जैकलीन फर्नांडीज से संपर्क करने में मदद की है. वह उन दोनों को जानती थी ।

शर्मनाक:42 साल की इस महिला टीचर ने नाबालिग स्टूडेंट से बुझाई अपने हवस की आग! मामला खुला तो उड़ गए सबके होश

नई दिल्ली, 14 सितम्बर 2022। एक प्राइवेट स्कूल के महिला शिक्षक की घिनौनी करतूत सामने आई है. 42 साल की महिला टीचर ने छात्र को ही अपनी हवस का शिकार बना लिया। टीचर-छात्र के रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला ये मामला अमेरिका के फ्लोरिडा से सामने आया है।

इस सनसनीखेज मामले के सामने आते ही स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फ्लोरिडा में स्थिति एक फेमस प्राइवेट स्कूल की 42 साल की महिला टीचर जेमी मेल्टन ने इस करतूत को अंजाम दिया है. इस मामले का खुलासा होने पर स्कूल प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से टीचर को निलंबित कर दिया। इसके साथ ही बच्चे से यौन संबंध बनाने के जुर्म में पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि आरोपी टीचर हाई स्कूल अंग्रेजी में पढ़ाती थी। शनिवार यानी 10 सितंबर को महिला टीचर ने बच्चे के साथ यौन संबंध बनाए थे। जिसके बाद इसका खुलासा होने पर रविवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ये जांच कर रही है कि महिला टीचर ने किसी और छात्रा को भी अपनी वासना का शिकार बनाया है। हालांकि पीड़ित छात्र के लिंग और उम्र की जानकारी अभी तक किसी को नहीं दी गई है, लेकिन कुछ स्थानीय रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित छात्र की उम्र 12 से 18 साल के बीच बताई जा रही है।

शिवगिरी मठ में पहुंचे राहुल गांधी, फेसबुक पर अपनी यात्रा की तस्वीरें शेयर करते हुए कही ये बात

तिरुवनंतपुरम, 14 सितम्बर 2022। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार 14 सितंबर को यहां के शिवगिरी मठ में प्रसिद्ध दार्शनिक और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को श्रद्धांजलि अर्पित कर आध्यात्मिक रूप से भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत की।

शिवगिरी मठ में राहुल गांधी ने वहां के स्वामियों से मुलाकात की और कांग्रेस पार्टी के 3,570 किलोमीटर और 150 दिन लंबे पैदल मार्च के केरल चरण के चौथे दिन की शुरुआत करने से पहले संत सुधारक की समाधि पर जाकर प्रार्थना की। बता दें कि यह यात्रा तमिलनाडु में कन्याकुमारी से शुरू हुई और जम्मू और कश्मीर में समाप्त होगी।

फेसबुक पर अपनी यात्रा की तस्वीरें शेयर करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि महान आध्यात्मिक नेता, दार्शनिक और समाज सुधारक श्री नारायण गुरु की समाधि पर सम्मान जताने शिवगिरी मठ का दौरा किया। श्री नारायण गुरु ने लोगों के उत्थान के लिए अथक प्रयास किया था।

अरमेनिया और अजरबैजान में झड़प,100 सैनिकों की मौत,रूस यूक्रेन वार के बीच पुतिन ने दिया दखल

नई दिल्ली/मास्को, 14 सितम्बर 2022। यूक्रेन और रूस के बीच जंग अभी चल ही रही है कि इस बीच अरमेनिया और अजरबैजान के सनिकों के सीमा पर हुई झड़प में दोनों तरफ के मिलाकर करीब 100 सैनिक मारे गए हैं।

बता दें कि दोनों देशों के बीच कई दशकों से नागोरनो-कराबाख पर टकराव रहा है। इस इलाके पर अजरबैजान भी अपना दावा करता है, लेकिन 1994 में हुए अलगाववादी युद्ध के बाद से ही यह अरमेनिया के कब्जे में है।

अरमेनिया का कहना है कि इस खूनी झड़प में उसके 49 सैनिकों की मौत हुई है, जबकि अजरबैजान ने भी 50 सैनिकों के मारे जाने की बात कबूल की है। यह संघर्ष तब छिड़ा, जब अजरबैजान की सेना ने अरमेनियाई इलाके को निशाना बनाते हुए ड्रोन अटैक किए और फायरिंग शुरू कर दी।

पुतिन और अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी दिया दखल

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी शांति की अपील की है। इस बीच अरमेनिया के पीएम निकोल पाशिनयान ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की है। इसके अलावा उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी बात की है।

2020 में भी हुआ था भीषण युद्ध, 6 हजार की हुई थी मौत

दोनों देशों के बीच 2020 में भी भीषण युद्ध हुआ था, जो 6 सप्ताह तक चला था। इस युद्ध में करीबी 6 लोगों की मौत हुई थी और रूस के दखल के बाद ही विवाद समाप्त हुआ था। मॉस्को की ओर से इलाके में शांति व्यवस्था की बहाली के लिए 2,000 सैनिकों को पीसकीपिंग मिशन के तहत तैनात किया गया था।

इस बीच अमेरिका और रूस दोनों ने ही अजरबैजान और अरमेनिया से शांति बहाली की अपील की है। दरअसल रूस के अरमेनिया के साथ गहरे सैन्य ताल्लुक हैं। रूस का अरमेनिया में मिलिट्री बेस भी है। इसके अलावा तेल के मामले में समृद्ध अजरबैजान से भी रूस के अच्छे रिश्ते हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच रूस अच्छे रिश्तों का पक्षधर रहा है।

संपादकीय

रास्ता तो यही है

किसी प्रयास को शुरुआत में ही अगर-मगर लगा कर खारिज करना उचित नजरिया नहीं है। मुद्दा यह है कि अगर भारत जनतंत्र है- या इसे जनतंत्र बने रहना है- तो क्या वह जन से बिना जुड़े कायम और जीवंत रह सकता है? राहुल गांधी अपने साथी यात्रियों के साथ लंबी पद यात्रा पर निकल चुके हैं। इसका क्या हासिल होगा- इस बारे में अभी कुछ कहना बेमतलब होगा। लेकिन यह ध्यान में रखना चाहिए कि जब कोई प्रयोग होता है, तो उसका परिणाम मालूम नहीं रहता। नाकाम प्रयोगों की संख्या कभी कम नहीं रहती। लेकिन उनके बीच से ही कोई आविष्कार भी होता है। इसलिए किसी प्रयास को शुरुआत में ही अगर-मगर लगा कर खारिज करना उचित नजरिया नहीं है। मुद्दा यह है कि अगर भारत जनतंत्र है- या इसे जनतंत्र बने रहना है- तो क्या वह जन से बिना जुड़े कायम और जीवंत रह सकता है? भारतीय राजनीति की समस्या ही यही रही है कि बीते चार-पांच दशकों से आरएसएस-भाजपा को छोड़ कर बाकी धाराओं के नेताओं ने जनता से खुद को काट लिया। एसी और सोफे की संस्कृति की राजनीति इतनी हावी हुई कि नेता सिर्फ ऊंचे मंच से ही जनता को देखते रहे। जनता क्या सोचती है, उसके मन में क्या है, ये बात राजनेताओं के लिए महत्त्व खोती चली गई। तो धीरे-धीरे आम जन की नजर में नेताओं और उनकी पार्टियों का महत्त्व भी घटता चला गया। इसीलिए राहुल गांधी का जनता के बीच लौटना महत्त्वपूर्ण है।

इसे उन्होंने उचित ही तपस्या कहा है। अब तपस्या उतनी ही सफल होती है, जितनी पवित्रता के साथ उसे निभाया जाता है। बहरहाल, पवित्रता भंग होने के बाद दोबारा उसे हासिल करने की गुंजाइश भी हमेशा बनी रहती है। असल बात इरादे की होती है।

कमजोर पड़ते विपक्ष से भारतीय लोकतंत्र खतरे में

सरकार को आलोचना को सिरे से खारिज करने के बजाय सुनना चाहिए। लोकतांत्रिक मूल्यों को खत्म करने के सुझावों पर एक विचारशील और सम्मानजनक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। प्रेस और न्यायपालिका जिन्हें लोकतंत्र के स्तंभ के रूप में माना जाता है, को किसी भी कार्यकारी हस्तक्षेप से स्वतंत्र होने की आवश्यकता है। मजबूत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष की जरूरत होती है। वैकल्पिक विकल्प के बिना, मनमानी शक्ति पर रोक लगाने के चुनाव का उद्देश्य ही विफल हो जाता है। लोकतांत्रिक मूल्य और सिद्धांत भारत की पहचान के मूल हैं। हमें अपने लोकतंत्र के स्तंभों - विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को मजबूत करके उसकी रक्षा करने की आवश्यकता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
भिवानी,
हरियाणा

प्रेस पर बढ़ते हमले और न्यायिक स्वायत्तता के क्षरण से लोकतंत्र के रूप में भारत की वैश्विक छवि को खतरा है। दुनिया भर में लोकतंत्र पीछे हट रहा है। 21वीं सदी में कई लोकतंत्र लोकतंत्र के सिद्धांतों की अवहेलना करते रहे हैं। प्रेस की स्वतंत्रता, राज्य के अन्य सार्वजनिक संस्थानों की स्वतंत्रता जैसे सिद्धांतों का अक्सर उल्लंघन किया जाता है। उदाहरण के लिए, कई विश्व नेताओं जैसे व्लादिमीर पुतिन (रूस), रेसेप तईप एर्दोआन (तुर्की), ट्रम्प (यूएसए) ने सत्ता बनाए रखने के लिए इन्हीं संस्थानों पर एक निरंतर, हमले की शुरुआत की थी। पश्चिमी शैक्षणिक संस्थानों, फ्रीडम हाउस (यूएस) और वैरायटीज ऑफ डेमोक्रेसी प्रोजेक्ट (स्वीडन) ने भारत की लोकतांत्रिक रेटिंग को डाउनग्रेड कर दिया।

संप्रभु शक्ति पर पहली बार संस्थागत जांच इंग्लैंड में शानदार क्रांति के माध्यम से प्रदान की गई थी। इससे संसद की स्थापना हुई और इंग्लैंड पूर्ण राजतंत्र से संवैधानिक राजतंत्र में स्थानांतरित हो गया।

बाद में, फ्रांसीसी क्रांति और अमेरिकी क्रांति ने अपने नागरिकों को अपरिहार्य अधिकारों का आश्वासन दिया। हालाँकि, उपनिवेशवाद के युग में, महिलाओं के साथ-साथ नस्लीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों का बहिष्कार 1950 के दशक तक जारी रहा। 1950 के दशक के बाद सार्वभौमिक मताधिकार चुनावों का संस्थानीकरण, सरकार की शक्तियों पर संवैधानिक जाँच, स्वतंत्र न्यायपालिका को न्यायिक समीक्षा का अधिकार, सरकारी कार्यों की जांच करने के लिए अधिकार प्राप्त प्रेस जैसे उपायों से लोकतंत्र मजबूत हुआ।

अंत में, शीत युद्ध की समाप्ति के बाद, सोवियत संघ के पतन के कारण, कई सत्तावादी देशों को चुनाव कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। इससे दुनिया के अधिकांश देशों में उदार लोकतंत्र शासन की स्थापना हुई। भारत की लोकतांत्रिक रेटिंग को डाउनग्रेड क्यों किया गया? फ्रीडम हाउस और वी-डेम बहुआयामी ढांचा दोनों ही प्रेस की स्वतंत्रता और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को काफी महत्व देते हैं। इन संस्थागत जांच और संतुलन को कम करने के बारे में चिंताओं ने दोनों संस्थानों को अपने सूचकांक पर भारत के स्कोर को कम करने के लिए प्रेरित किया। भारत में कमजोर लोकतंत्र क्वाड या डी-10 का पूर्ण सदस्य बनने की भारत की महत्वाकांक्षाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। यह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने के भारत के दावे को भी कमजोर करेगा।

ऐसे में क्या किये जाने की आवश्यकता है? सबसे पहले, सरकार को आलोचना को सिरे से खारिज करने के बजाय सुनना चाहिए। लोकतांत्रिक मूल्यों को खत्म करने के सुझावों पर एक विचारशील और सम्मानजनक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। दूसरा, प्रेस और न्यायपालिका जिन्हें लोकतंत्र के स्तंभ के रूप में माना जाता है, को किसी भी कार्यकारी हस्तक्षेप से स्वतंत्र होने की आवश्यकता है। तीसरा, मजबूत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष की जरूरत होती है। वैकल्पिक विकल्प के बिना, मनमानी शक्ति पर रोक लगाने के चुनाव का उद्देश्य ही विफल हो जाता है। लोकतांत्रिक मूल्य और सिद्धांत भारत की पहचान के मूल हैं। हमें अपने लोकतंत्र के स्तंभों - विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को मजबूत करके उसकी रक्षा करने की आवश्यकता है।

लोकतंत्र के चार स्तंभों के प्रति आम आदमी के विश्वास और सम्मान ने पिछले सात वर्षों में एक गंभीर चोट की है। भारत को अपनी छवि में बदलने की अपनी हड़बड़ी में लोकतंत्र और सामाजिक ताने-बाने की इमारत को नष्ट कर रहे हैं, यह महसूस किए बिना कि हम सभी भी दफन हो जाएंगे। राजनेता केवल चुनाव के बारे में चिंतित हैं, बाबू ÷सही÷ पोस्टिंग के बारे में हैं और कुछ न्यायाधीश ÷माई लॉर्ड÷ के बजाय ÷योर ऑनर÷ कहे जाने पर नाराज हैं। आज आम आदमी को यह महसूस करना होगा कि आखिरकार वह राष्ट्र की नियति को गढ़ता है। लोग अपनी मनचाही सरकार चुनते हैं लेकिन उन्हें वह सरकार मिलती है जिसके वे हकदार होते हैं।

हमें कैसे आकलन करना चाहिए कि क्या हम भारत में लोकतांत्रिक प्रथा का क्षरण देख रहे हैं - जिसे राजनीतिक वैज्ञानिक %लोकतांत्रिक बैकस्लाइडिंग% कहते हैं? यदि भारत का लोकतंत्र खतरे में है, तो यह दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन किया है। राज्य की संस्थाएं, जो लोकतांत्रिक राजनीतिक अभिनेताओं के लिए निष्पक्ष होनी चाहिए, का उपयोग सत्तारूढ़ दल की सेवा में किया रहा है। विपक्ष को कमजोर करने या दबाने के लिए राज्य संस्थानों का उपयोग इन सिद्धांतों के सीधे उल्लंघन में है - जो लोकतंत्र के लिए एक बुनियादी खतरा है। हिंदू राष्ट्रवाद की आड़ में, भारत ने अपनी आबादी के बीच अलोकतांत्रिक प्राथमिकताओं में तेजी से वृद्धि देखी है। जनमत के इस संगम और राज्य की संस्थाओं को अपने स्वार्थों के लिए इस्तेमाल करने के इच्छुक एक शासी दल ने भारत में गंभीर लोकतांत्रिक बैकस्लाइडिंग का भूत खड़ा कर दिया है।

हिंदी दिवस

पूनम शर्मा स्नेहिल
गोरखपुर
उत्तर प्रदेश

हिंदी हमको प्राण से प्यारी,
सब भाषा पर है ये भारी।
हिंदी का गुणगान करो तुम,
मिलकर इसका मान करो तुम।
मातृभूमि सी है ये प्यारी,
है समर्पण के अधिकारी।
नित दिन इसका पाठ करो तुम,
हर पल इसके साथ चलो तुम।
ममता सा स्नेह है मिलता,
बचपन इसके संग ही खिलता।
मीठी सी मां लोरी सुनाती है,
हृदय में जाकर जो बस जाती।
हिंदी में ही हम पढ़ते,
और हिंदी में ही लिखते हैं।
सरल सहज और प्यारी लगती,
हर शब्द में ये मुस्काती है।
है हिंदी की बात निराली,
संस्कार की राह दिखाती है।
राम कृष्ण हो या हो तुलसी,
सबके दिल में है ये पलती।
ममता का एहसास कराती ,
मानो हमको गले लगाती।
है ग्रंथों में ज्ञान भरा जो ,
हमको उससे है मिलवाती।
हिंदी हो अब राष्ट्र की भाषा ,
यही कामना करते हैं ।
हिंदी हमको प्राण से प्यारी,
सब भाषा पर है ये भारी।।

पढ़ो लिखो हिंदी आज

चन्द्रकान्त खुंटे क्रान्ति
जांजगीर-चाम्पा
छत्तीसगढ़

पढ़ो-लिखो हिंदी आज
हिंदी हर भाषा का सरताज
सूर-संगीत,गीतों के साज
खोलते सब दिलो के राज
भावनाओ को देते पंख
देश की एकता इनका मिजाज
हिंदी को बनाओ जगत सिरमौर
पहनाओ सिर इनके ताज
पढो-लिखो हिंदी आज
हिंदी हर भाषा की सरताज।
रस-छंद-अलंकार सुशोभित होते
पर्याय-विलोम-संग-संधि-समास
हर कवियों ने दिखाया नित
अपना एक अलग अंदाज
हिंदी का पंख पकड़कर उड़े
बनकर तोता-मैना-बाज
कोई रखे संस्कृति की लाज
कोई बने देशप्रेमी-नीतिबाज
हिंदी भाषा को सलाम
जो करते हर दिलो पर राज
पढो-लिखो हिंदी आज
हिंदी हर भाषा की सरताज।
साध निशाना लगाओ तीर
तुम बनो राजाधिराज
घुसपैठियों को कर जख्मी
विदेशियों का करो इलाज
बहुत किये मेहमान-नवाजी
पाठक-श्रोता-वाचक
बनाओ तुम ऐसा रीति-रिवाज
निज भाषा हो जनहित समाज
जन-जन अपनाये हिंदी को
कोई न करे एतराज
पर भाषा पर लगाम रखो
हिंदी से हो देश के राजकाज।
पढ़ो-लिखो हिंदी आज
हिंदी हर भाषा का सरताज।

राजनैतिक दलों को चन्दे का मायाजाल

पिछले दिनों राजनैतिक दलों में शुद्धता को लेकर स्वयंसेवी संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स (छ्क्र) ने विभिन्न राजनैतिक दलों को प्राप्त चन्दे का विवरण प्रकाशित किया है ।

इस संस्था द्वारा जारी ऑकड़ों के अनुसार सन् 2004-05 से 2020-21 तक आठ राष्ट्रीय पार्टियों ने 15,078 करोड़ रुपया पर अज्ञात स्रोतों से प्राप्त किया है । असल में बीस हजार तक चन्दे की प्राप्ति पर र ाजनैतिक दलों को स्रोत बताने की आवश्यकता नहीं होती । इसके अलावा एलोक्टोरल बाण्ड से प्राप्त चन्दे के स्रोत अर्थात् चन्दा दाता का नाम घोषित करना अनिवार्य नहीं है । असल में, एलोक्टोरल बाण्ड का प्रावधान मोदी सरकार ने तय किया था । इसे लोकसभा में मनी-बिल के रूप में प्रस्तुत किया गया और राज्यसभा से पारित हुए बिना बिल पर राष्ट्रपति की स्वीकृति ले ली गई । एलोक्टोरल बाण्ड असल में कोई भी बैंक से खरीद सकता है । बैंक को तो मालूम रहता है कि यह किस व्यक्ति या संस्था, या फर्म ने खरीदा है, परन्तु बाण्ड खरीदने वाला जब इसे किसी राजनीतिक दल को देता है तो वह अज्ञात होता है, उसे अपना नाम, पता, अपना पैन नम्बर आदि देने की आवश्यकता नहीं होती । असल में इस एलोक्टोरल बाण्ड वाला प्रावधान सुप्रीम कोर्ट में वैधता को लेकर विचाराधीन है, परन्तु अभी कई साल बीत जाने पर भी इस पर सुनवाई नहीं हुई है ।

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म राइट्स (छ्क्र) एक गैर सरकारी स्वैच्छिक संस्था है जो देश में चुनाव व चुनाव प्रक्रिया में शुद्धता और शुचिता को लेकर कार्यरत है । इसकी एक रिपोर्ट के अनुसार सन् 2005 से लेकर सन् 2021 तक दो राष्ट्रीय पार्टियों - कांग्रेस और एन.सी.पी. ने 4,262 करोड़ रुपये चन्दे के रूप में कूपन बेचकर प्राप्त किये । कूपन खरीदने वाले का कोई अता-पता नहीं पूछा जाता । अतः इन से पार्टियों को मात्र कूपन बेचकर जो 4262 करोड़ रुपया मिला उसके स्रोत का कोई अता-पता चुनाव आयोग या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को नहीं है ।

इसी संस्था की रिपोर्ट में बतलाया गया है कि पिछले सत्रह साल में आठ राष्ट्रीय पार्टियों - बी.जे.पी., कांग्रेस, एन.सी.पी., तृणमूल, सी.पी.एम., सी.पी.आई., बी.एस.पी. और नेशनल पार्टी ऑफ मेघालय को अज्ञात स्रोतों से कुल मिलाकर 15 हजार करोड़ रुपया चन्दा के रूप में मिला है । इसमें सबसे ज्यादा फायदा कांग्रेस और भाजपा को हुआ है । असल में सत्तारूपी पार्टी विभिन्न व्यापारिक कम्पनियों के लिए ऐसे नियम बनाती है, जिससे उन्हें करोड़ों का फायदा होता है । इसके बदले कम्पनी उस पार्टी को चन्दे के रूप में पैसा देती है । कानूनी दृष्टि से न सही, यह एक प्रकार की दलाली या रिश्वत है । एक मामूली सिपाही 100 रुपये की वसूली के कारण नौकरी से निकाल दिया जाता है, पर अपने को खद्दर पहनकर गांधी का अनुयायी कहने वाले इस प्रकार की रिश्वतखोरी को बढ़ावा देते हैं फिर वे चाहे किसी भी पार्टी के क्यों न हों । असल में जब सांसदों या विधायकों की वेतन बढ़ाने का मसला आता है, या फिर भत्ते बढ़ाने की बात होती है तब पक्ष और विपक्ष एक हो जाता है और एक दूसरे की गलवाही करके अपने पक्ष में वेतन बढ़ा लेते हैं यानि अब देश सेवा भी सरकारी नौकरी हो गई है । इसी से सभी राजनेता अपने बेटा-बेटी को राजनीति में उतार रहे हैं क्योंकि आज भारत में यह पैसा, रुतबा, रौब और सम्मान की दृष्टि से नेतागिरी सबसे ज्यादा लाभदायक व्यवसाय है । आखिर शुद्ध ईमानदारी से कैसे मंत्रियों की सालाना बचत करोड़ों रुपये हो जाती है जो उनके स्वयं के घोषणा-पत्र से ज्ञात होती है ।

सन् 2020-21 में एलोक्टोरल बाण्ड का 77प्रतिशत (यानि 250 करोड़) 27 क्षेत्रीय पार्टियों को मिला जिसमें शिवसेना, की.आर.एस., वाई.एस.आर. कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बीजू जनता दल, डी.एम.के., जनता दल (सैकूलर), जनता दल (यूनाइटेड), असमगण परिषद, ऑल इण्डिया अन्ना डी.एम.के., ऑल इण्डिया फॉरवर्ड ब्लॉक, ऑल इण्डिया मुस्लिम मजलिस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना, ऑल इण्डिया यू.डी.एफ. आदि शामिल है ।

असल में हमाम में सभी राजनैतिक दल निर्वस्त्र हैं ।

-अजय दीक्षित-

पिंजरे का पंछी

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक
हरियाणा

रामदयाल लगभग 75 का आंकड़ा पार करने वाला है।शरीर पर अनगिनत झुर्रियां, झुका हुआ शरीर, सिर पर गिनती के सफेद बाल, आंखों पर दस नम्बर का चश्मा और कान पर लगी हीयरिंग ऐड। लगभग कुर्ते-पायजामे में ही रहता है। पैंशनर है। कभी अपने माहतातों पर हकूमत की थी लेकिन अब वह खुद बुढ़ापे का माहतात है और वक्त उसका हुकमरान है।सस्ते जमाने में एक घर बना लिया था।घर के प्रवेश द्वार के साथ एक बरामदा, फिर दरवाज़ा, अंदर सहन, रसोई, बरामदा और दो बैडरूम। उसकी जीवन संगिनी, रामप्यारी और उसने स्वयं मिलकर बहुत चाव तथा दिल से यह घर बनवाया था। उनको जब परमात्मा से पुत्र रत्न के रूप में महेश मिला था, वे फूले न समाये थे। वे इसे ध्रुव, प्रहलाद या श्रवण बनाना चाहते थे। महेश पढ़ लिख, खेल कूद तथा बहुत सारा लाड-प्यार प्राप्त क़र बड़ा हुआ और उसकी बैंक में एक ऊंचे पद पर नौकरी लगी। लेकिन, एक दिन रामप्यारी को दिल का दौरा पड़ा और वह बाप-बेटे को रोता बिलखता अकेले छोड़ गई।रामदयाल को लगा जैसे उसके जीवन की बगिया वीरान हो गई हो।वह चाहता था कि राम प्यारी अभी कुछ समय और जीती तथा अपने पोते-पोतियों के होने का सुख भी भोगती। लेकिन ज़ालिम वक्त सभी की मुरादें कब पूरी होने देता है। जो होना था, हुआ और जो नहीं होना था नहीं हुआ।

महेश एक शरीफ, इमानदार तथा मेहनती नवयुवक था। उसके इन गुणों को देखकर उसके बैंक मैनेजर ने अपनी बेटी सुधा का विवाह उसके साथ कर दिया। रामदयाल को लगा कि बेटे के विवाह के बाद उसके सूने जीवन में खुशियों की बहार आयेगी। शुरु-2 में सुधा रामदयाल का खूब ध्यान रखती, वक्त पर खाना खिलाती, रिश्तेदारों तथा अन्य मेहमानों की देखभाल करती और वैसे भी पूरा मान-सम्मान देती। परमात्मा के आर्शीवाद से पहले महेश के यहां पुत्र हुआ जिसे पारस कहकर पुकारा जाता था और लगभग दो साल के बाद ज्योति नाम की लड़की हुई। रामदयाल अपने बेटे, बहू पोते तथा पोती के बीच में रहकर स्वर्ग का आनंद महसूस करता था लेकिन जब वह बहुत खुश होता था तब इस खुशी के असली हिस्सेदार अपनी पत्नी, राम प्यारी को बहुत याद करता था।

एक दिन जब परिवार के सभी सदस्य इक्ट्ठे बैठे खाना खा रहे थे तब रामदयाल ने अपने बेटे, महेश को कहा, ÷बेटा अब मेरे जीवन की सांझ हो चली है। ईश्वर का बुलावा कब आ जाये, और मैं तुम्हारी मां के पास कब चला जाऊँ, किसे क्या पता? इसलिये मैं वसीयत में सब कुछ तुम्हारे तथा सुधा के नाम करके बेफिक्री की मौत मरना चाहता हूँ और अगले दिन उसने ऐसा करके वसीयत के कागजात अपनी बहू सुधा को दे दिये, ÷आगे पीछे तो यह सब आप लोगों का है। ऐसा करके मैं अपना बोझ कम हुआ समझता हूं। बहू ने वे कागज़ात लेकर रामदयाल के पांव छुए। रामदयाल ने उसके सिर पर आर्शीवाद का हाथ फेरते हुए कहा, '' भगवान आप सभी को सुखी रखे।'' .

इस तरह कुछ दिन तो ठीक ठाक चलता रहा लेकिन बीच बीच में उसने महसूस किया कि उसका बेटा तथा बहू उससे कटने लगे है उनका व्यवहार बदलने लगा है। वे लोग उसे ताने मारने लगे हैं। उसके रिश्तेदारों तथा मिलने वाले अन्य लोगों के घर पर आने पर ऐतराज़ करने लगे हैं। धीरे-2 उसकी अवेहलना, अवज्ञा तथा तिरस्कार होने लगा है। एक दिन तो बहू ने बड़ी बेअदवी से रामदयाल को यहां तक कह दिया, ÷पिताजी हमारी प्राईवेसी पर बुरा असर पड़ता है इसलिये आप अपने उठने, बैठने तथा सोने के लिये बाहर के बरामदे में शिफ्ट हो जाईये। आप ही घर के बड़े है, बाहर का कोई भी आदमी आपके होते हुए बिना बात के अंदर भी नहीं आयेगा। हम आपको बाहर सीलिंग फैन लगवा देंगे।'' बेचारा खून के आंसू पीकर रह गया। उसे क्या पता था कि वह जिस बहू को बेटी मान रहा था उसका धन-सम्पति हड़पने के लिये उसके साथ आदर, सत्कार तथा सेवा करने का ढोंग कर रही थी। यूं तो उसने दुनिया देखी थी लेकिन यहां उसे अपनी बहू ने बेटी का नकाब ओढ़कर ठग लिया था। उसने बेटे से बात करने की कोशिश की लेकिन उसने जो कुछ कहा उससे बात साफ थी कि वह जोरू का गुलाम है और उसकी अपनी बीबी के आगे बिल्कुल नहीं चलती और वह उसके लिये कुछ भी नहीं कर सकता। आखिर रामदयाल ने मन मारकर तथा ज़हर का चूंट पीकर बाहर के बरामदे में शिफ्ट कर लिया। अब यही बरामदा ही उसका स्लीपिंग रूम, ड्राईंग रूम सब कुछ बनकर रह गया था। बार-2 वह अपने उस फैसले पर पछताता था जबकि उसने अपना सब कुछ अपने होनहार बेटे तथा बहू के नाम किया था। कहां तो वह यह सोचा करता था कि उसका बेटा श्रवण कुमार बनकर उसकी सेवा करेगा और कहां उसे लगभग घर से बाहर धकेल दिया गया था, एक ऐसी जगह जहां पर लोग घर की रक्षा के लिये कुत्ते बांधकर रखते हैं। लेकिन उसके लिये सब सहना मजबूरी थी। वह कहां जाये किसको अपनी व्यथा सुनाये। घर की बात किसी और को बताना नाक कटवाने के बराबर था। घर का मालिक आज' बरामदे वाला आदमी' बनकर रह गया था वहा उससे कोई बात नहीं करता था। बच्चों को उसके पास जाने या बात करने की इजाज़त नहीं थी।उसे घर के अंदर घुसने की इजाजत नही थी सुबह शाम दो रोटियां खाना ही उसके लिये जी वन बनकर रह गया था। उसे लगा कि वह पिंजरे का कैदी बनकर रह गया है।वह हरदम ईश्वर से दुआ करता था' हे परमात्मा, मुझ वापिस बुला ले। यह जुल्म मैं और ज्यादा देर सहन नहीं कर सकता, लेकिन क्या कभी किसी को मांगने से मौत मिली है जो उसे मिलती।

फिर एक और तबदीली आई जब एक दिन उसकी बहू ने जली कटी सुनाते हुए कहा, ÷हमने आपकी बहुत सेवा कर ली है अब और मेरे से कुछ नहीं होता आपके लिये। आप सारा दिन करते क्या हो? अपना खाना बनाना, कपड़े धोने आदि का काम खुद किया करो। बाहर के बरामदे में एक मेज़ पर गैस का चूल्हा, तवा, बर्तन, घी, मिर्च मसाला आदि आपको दे देंगे। जब मन करे बनाओ, खाओ, बर्तन साफ करो, कपड़े धोओ.और सुखाओ।'' यह सब सुनकर उसे ऐसे लगा जैसे उसके ऊपर बिजली गिर पड़ी हो। वह बहुत देर तक रोया, ÷हे ईश्वर, मुझे यह किन पापों की सज़ा मिल रही है।'' मन ही मन उसने राम प्यारी को बहुत याद किया लेकिन क्या कभी मरे हुए भी किसी की बात सुनते हैं? कभी-कभी उसका दिल करता कि वह वह अपने घर की छत पर चढ़ जाये और जोर-2 से लोगों को यह बात कहे, ÷ज़माने वालो! अपने अपने बच्चों से प्यार तो करो लेकिन जीते जी अपनी सम्पत्ति उनके नाम कभी न करो। अगर अपने जीते जी सम्पत्ति को उनके नाम करोगे तो जो मेरा सत्यानाश हो रहा है न, आपका भी वैसा ही होगा। यकीन नहीं तो मुझे ही आकर देखो।

क्योंकि बहू और बेटा उसे अपने पोते तथा पोती से न तो बात करने देते थे न बोलने देते थे इसलिये उसने अपनी इस ख्वाहिश को पूरा करने के लिये टॉफियां तथा चाकलेट खरीद कर रखे थे और गली से गुज़रने वाले छोटे-2 बच्चों को प्यार से बुलाकर उन्हें दे देता था। कई बच्चे जाते हुए कह जाते, 'बैंक्यू दादा जी।' उसको इससे बहुत सकून मिलता । वह सोचता काश! उसे यह सुख अपने बच्चों से भी मिल जाता।

एक रात उसे ज़ोर का बुखार हुआ। उसका शरीर आग की तरह तप रहा थ। बदन टूट रहा था। गला प्यास से सूख रहा था। उसमें इतनी हिम्मत भी नहीं थी कि उठकर पानी पी सके। उसने अपनी कमज़ोर आवाज़ में मदद के लिये बेटे तथा बहू कों आवाज़ लगाई। या तो आवाज़ धीमी होने पर उन्होंने सुनी नहीं या सुनकर अनुसनी कर दी। उसने तब राम प्यारी को बहुत याद किया।सच ही कहा गया है कि बुढ़ापे में केवल पति पत्नी ही एक दूसरे के काम आते हैं और कोई काम नहीं आता। आखिर उसे एक झटका सा महसूस हुआ उसके मुंह से खून निकला और वह बिस्तर के एक तरफ लुढ़क गया। सुबह जब उसका बेटा हमेशा की तरह तैयार होकर बैंक जाने लगा तो उसने देखा कि उसके पिताजी असाधारण तौर पर अपने बिस्तर पर मुंह में खून तथा खुली आंखों के साथ लुढ़के पड़े हैं। उसने आवाज़ लगाई, पिता जी! पिता जी! लेकिन रामदयाल-पिंजरे का पंछी - दुःख, दर्द, अकेलेपन, तिरस्कार, अवेहलना तथा अवज्ञा - रूपी पिंजरे से आज़ाद होकर राम प्यारी से ऊपर की दुनिया में मिलने जा चुका था।

मौसम-ए-इश्क

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

मौसम-ए-इश्क का यूं ,छाने लगा नशा।
बेखुद है दीवाना मन जाने कहां चला।
दिल से सुनो दिल का बयां, रहें लफ्ज़ बेज़ुबां,
महकी हैं फ़िज़ाएं भी, बहकी सी है सबा।
दिलकश लगें तनहाईयां, ख़ामोशियां हसीं
लबों को आज सुनने दो, लबों की दास्तां।
जब से छुआ नज़र से,नज़र दुज़िद्दा हुई,
पलकों का उठना गिरना, क्या खूब है अदा।
कितने ख़याल ख़्वाहिशें, ख्वाबों की हसरतें,
कागज़ पे सज गये यूं ,जैसे प्यार की सदा।

धुआं धुआं

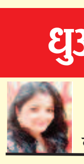

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

इक दिल था मीर-ए-कारवां
जो बन पड़ा था रहनुमा
तीरगी जो फैली थी राह में
तारों ने कर डाली फना
सही फैसला क्या देगा वो
जो रक़ीब मुंसिफ़ बन गया
पलकें न मूंदी पल को भी
एक ख़्वाब सा था रवां रवां
कुछ मुश्किलें आसां हुई
थी ज़ुरूर साथ कोई दुआ
हर राह धुंध से थी भरी
था हर तरफ बस धुआं धुआं

कटघरा

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल मध्यप्रदेश

सभ्य समाज, कटघरे मे खड़ा है।
आज रोटी का सवाल सबसे बड़ा है।
कहीं धूप, कहीं बे मौसम बरसात,
मौसम का मिजाज, जरा बिगड़ा है।
लाज लुटे,बम फटे, अजी उन्हें क्या ?
खुदगर्ज है इन्सां, चिकना घड़ा है।
शहादतें हैं झूठी, इंसाफ कौन करे,
कानून की आंखों में परदा पड़ा है।
उफ न करेंगे, हम आहें न भरेंगे,
दिल पे अपने, तीर ही ऐसा गड़ा है।
उसे मिटाने का, हमे मिटने का शौक,
हम कम नहीं, वो भी जिद पे अड़ा है।

कर्तव्य पथ पर किसको चलना है?

रायसीना की पहाड़ियों पर बने राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक जाने वाली सड़क का नाम राजपथ से बदल कर कर्तव्य पथ कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के बेहद विवादित सेंट्रल विस्टा परियोजना के पहले चरण के पूरा होने के मौके पर इसका उद्घाटन किया। राजपथ का नाम पहले किंग्सवे था यानी राजा का रास्ता। देश की आजादी के बाद इसका नाम बदला गया। चूंकि इस सड़क के दोनों तरफ भारत सरकार के कार्यालय स्थित हैं, जहां से राज्य का काम चलता है, इसलिए इसका नाम राजपथ रखा गया। अब इसका नाम कर्तव्य पथ कर दिया गया है। नाम बदल जाने से क्या बदलेगा, इसका अंदाजा अभी नहीं लगाया जा सकता है। आखिर रेसकोर्स रोड का नाम बदल कर लोक कल्याण मार्ग कर देने से भला लोक का कौन सा कल्याण हुआ है? उस सड़क पर प्रधानमंत्री का आवास है लेकिन जब सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत पीएम एन्क्लेव का काम पूरा हो जाएगा तो लोक कल्याण मार्ग से पीएम आवास हट जाएगा।

बहरहाल, नाम बदलना इस सरकार का शगल रहा है। लुटियन की दिल्ली में ही कितनी सड़कों के नाम बदले गए हैं। रेसकोर्स रोड का नाम लोक कल्याण मार्ग हो गया। औरंगजेब रोड का नाम एपीजे अब्दुल कलाम रोड हो गया। राष्ट्रपति भवन के साथ वाली सड़क डलहौजी रोड का नाम बदल कर औरंगजेब के भाई दारा शिकोह के नाम पर किया गया। अब राजपथ का नाम कर्तव्य पथ हो गया। यह सब पिछले पांच साल में हुआ है। लुटियन की दिल्ली के बाहर देश भर में शहरों, गलियों, सड़कों, रेलवे स्टेशनों आदि के नाम बदले गए हैं। लेकिन राजपथ का नाम बदलने का मामला बाकी बदलावों से बहुत अलग है। यह मुगल शासक या किसी अंग्रेज आताताायी के नाम पर बनी सड़क नहीं है या घोड़ों पर रेस लगाने का भाव इसमें नहीं है। यह राजकाज को प्रतीकित करने वाली सड़क है। फिर भी इसे कर्तव्य के साथ जोड़ा गया है तो इसका मकसद कुछ और है।

ध्यान रहे जब भी सरकारें अपनी जिम्मेदारी निभाने में सफल नहीं होती हैं तो जनता से सवाल करती हैं कि उसने देश के लिए क्या किया है। इन दिनों भी बार बार सोशल मीडिया में लोगों को सलाह दी जाती है कि वे यह न पूछें कि देश ने उनके लिए क्या किया है, बल्कि यह सोचें कि उन्होंने देश के लिए क्या किया है। यह बड़ी होशियारी से सरकार को उसकी जिम्मेदारियों से मुक्त करने का प्रयास लगता है। इसके जरिए लोगों को समझाया जाता है कि देश बहुत विशाल है, इसकी आबादी बहुत ज्यादा है और पिछले 70 साल में कुछ नहीं हुआ है इसलिए सरकार को सब कुछ ठीक करने में समय लगेगा। तब तक लोग इंतजार करें। इस बीच वे अपने कर्तव्य निभाएं और देश के विकास में योगदान करें। सरकार उनको रोजगार नहीं दे पा रही है या ज्यादा टैक्स लगा कर उनसे पैसे वसूल रही है तो वे इसे देशहित का काम समझ कर चुप रहें। ज्यादा टैक्स भर कर वे बुनियादी रूप से अपना कर्तव्य निभा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल लाल किले से अपने भाषण में 'पांच प्राण' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इनसे देश अगले 25 साल में विकसित देश बनेगा। उनका पांचवां प्राण कर्तव्य का है। उन्होंने देश के लोगों से अपने कर्तव्यों के पालन करने की अपील की। जब आप संविधान में कर्तव्यों से जुड़े अनुच्छेदों का इतिहास जानेंगे तो अपने आप समझ आ जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी की अपील का क्या मतलब है। नागरिक कर्तव्यों का जिक्र मूल संविधान में नहीं था। संविधान सभा ने लंबी बहस के बाद जिस संविधान का निर्माण किया था और जिसे देश ने अंगीकार किया था, उसमें कर्तव्यों का अनुच्छेद नहीं था। उसमें अधिकारों और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से जुड़े अनुच्छेद थे। संविधान के तीसरे परिच्छेद में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का जिक्र है। उस समय संविधान सभा ने नागरिकों के कर्तव्य तय करने की जरूरत नहीं समझी थी। कर्तव्यों का अनुच्छेद 1976 में उस समय जोड़ा गया, जब देश में इमरजेंसी लगी थी। आपातकाल के समय इंदिरा गांधी की सरकार ने स्वर्ण सिंह कमेटी की सिफारिशों पर संविधान के 42वें संशोधन के जरिए मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा। संविधान के पार्ट चार-ए में इसे रखा गया है। पहले नागरिकों के 10 कर्तव्य बताए गए थे लेकिन 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने एक और कर्तव्य इसमें जोड़ दिया।

प्रधानमंत्री ने या सरकार ने राजपथ का नाम कर्तव्य पथ करने के पीछे की दार्शनिक सोच के बारे में नहीं बताया है। हो सकता है कि लोगों को बताया जाए कि कर्तव्य पथ के जरिए सरकार चला रहे लोगों को संदेश दिया गया है कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहें। यह ट्विस्ट आ सकता है। लेकिन असल में इसका मकसद कुछ और है। पिछले कई सालों से लोगों को समझाया जा रहा है कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उनके अधिकारों से ज्यादा जोर कर्तव्यों पर दिया जा रहा है।

-अजीत द्विवेदी-

गीत खुशी के गाएँगे

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

रोते-रोते आये जग में,
हँसते -हँसते जाएँगे।
छोड़ यहाँ सब रोना-धोना,
गीत खुशी के गाएँगे।
सुख की दौलत देकर सबको,
जीवन सफल बनाना है।
दीन-दुखी को आगे बढ़कर,
अंक हमें बैठाना है।
हास सजेगा जब अधरों पे,
सूखे तरु मुसकाएँगे।।
छोड़ यहाँ सब रोना-धोना,
गीत खुशी के गाएँगे...
लेकर आशा की चिंगारी,
दीप शिखा बन जाना है।
राहों से जो भटक गए हैं,
उनको वापस लाना है।
छोड़ बहाना अब तू आँसू,
हँसकर समय बिताएँगे।
छोड़ यहाँ सब रोना-धोना
गीत खुशी के गाएँगे...
कब तक दुख की रजनी होगी,
सुख की आस नहीं छोड़ो।
जीवन सुंदर सपने जैसा,
इससे मुख तुम मत मोड़ो।
पतझर का मौसम है माना,
फिर तरु ये सज जाएँगे।।
छोड़ यहाँ सब रोना-धोना,
फिर ये तरु सज जाएँगे...

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

झांकी प्रस्तुति के लिए गजानंद सेवा समिति को मिला प्रथम पुरस्कार

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। बाल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति के गणेश विसर्जन कार्यक्रम में भाग लेने वाले झांकियों में से चयनित झांकी और सांस्कृतिक कार्यक्रम में से चुने गए प्रतिभागियों को बुधवार को पुरस्कार वितरित किए गए।

समिति के संपूर्ण कार्यक्रम को संपन्न कराने में जुटे सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथि एवं समिति के सदस्यों द्वारा झांकी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के विजेताओं को पुरस्कार दिये गए। प्रथम श्रेणी से झांकियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गजानंद सेवा समिति डीसी रोड अंबिकापुर को प्रथम पुरस्कार के लिए चुना गया। जिन्हें प्रथम पुरस्कार के रुप में 11000 रुपये, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इस प्रकार द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपये बाबू पारा गणपति सेवा समिति अंबिकापुर तथा तृतीय पुरस्कार के रूप में 3100 रुपए के साथ श्री राम सेवा समिति चर्च रोड अंबिकापुर को सम्मानित किया गया। झांकी के बाल गणेश श्रेणी में प्रथम स्थान जूनियर मां महामाया क्लब महामाया रोड अंबिकापुर ने प्राप्त किया इन्हें प्रशस्ति पत्र एवं 5100 रुपए के पुरस्कार से नवाजा गया, द्वितीय स्थान के विजेता साईं क्लब गणेश उत्सव समिति चर्च रोड अंबिकापुर को 3100 रुपये एवं तृतीय स्थान पर रहे सिंह क्लब समिति सरदार गली भट्ठी रोड को पुरस्कार के रुप में 2100 रुपये की राशि प्रदान की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोविंद एंड धूम ग्रुप प्रथम स्थान पर रहे इन्हें पुरस्कार के रुप में 11000 की राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया, मनेंद्रगढ़ से आए कृष्णा डांस ग्रुप में दूसरा स्थान प्राप्त किया, जोरदार प्रदर्शन के लिए इन्हें पुरस्कार स्वरूप 5100 रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया, तृतीय स्थान पर एकल नृत्य के लिए विष्णु कुजूर को चुना गया, विष्णु को 2100 रुपए की राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तारतम्य में चौथे स्थान पर द माउंट लिट्रा जी स्कूल का प्रदर्शन रहा इन्हें भी सम्मानित किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच द्वारा कोरोना के संवेदनशील समय में ऑक्सीजन सिलेंडर की आपूर्ति एवं राम रसोई के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध करने जैसे पुण्य कार्यों के लिए सम्मान के साथ स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कोरोना काल मे भोजन का पैकेट तैयार करके करोना मरीज एवं उनके परिजनों तक भोजन पहुंचाने वाले मां गौरी रसोई को समिति ने प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए। इसी तारतम्य में कोरोना संक्रमित समय यातायात पुलिस की ड्यूटी को निभाते हुए गरीब व जरूरतमंदों को भोजन और उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था करने वाले देवनारायण नेताम को समिति की ओर से प्रशंसा पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। आर्ट क्लास के अर्जिता सिन्हा को जैविक रूप से गोबर एवं मिट्टी से भगवान गणेश की मूर्ति बनाकर निशुल्क वितरण के लिए सम्मानित किया गया।

सम्मान के कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए समिति ने गौ सेवा के लिए गौ सेवा मंडल को सम्मानित किया, कोरोना के समय में संपूर्ण नगर में घूम घूम कर दोनों वक्त की भोजन का व्यवस्था करने वाले गुरु सिंह सभा को साल-श्रीफल भेंट कर प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया तथा कोविड काल मे 2 लाख से ज्यादा लोगों को मास्क का मुफ्त वितरण करने वाले अजय अग्रवाल को सम्मानित किया गया। अच्छे प्रदर्शन के लिए कई प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ल गंगाधर तिलक गणपति स्थापना समिति के संरक्षक भारत सिंह सिसोदिया कार्यक्रम को संयोजक संतोष बिहाड़े, संरक्षक राजीव अग्रवाल, नीलेश सिंह एवं हरमिंदर सिंह टिन्नी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर आलोक दुबे, मधु चौदहा, अभिषेक शर्मा, रूपेश दुबे, विश्वविजय तोमर, संजय सिंह, शैलेश सिंह, सुमित मिश्रा, दिवस दुबे,संजय त्रिपाठी, अभिषेक श्रीवास्तव, सिद्धार्थ मिश्रा, जितेंद्र सोनी, सुधाकर सिंह,अंजनी दुबे, शरद सिन्हा, अनीश सिंह,धीरज सिंह, रवजोत सिंह, दितेश राय, अंशु सिंह, प्रिया सिंह, गोलू यादव, अमोघ कश्यप, वीर सोनी, अनुराग शुक्ला, विनाल गुप्ता, उपेन्द्र पांडेय, प्रियेश अग्रहरी, कृष्णा सोनी, ऋषभ पांडेय, सक्षम गुप्ता, भूरा सिंह राठोर, निक्कु सिंह , कल्लू जयसवाल, सुरेंद्र साहू , शाहिल साहू , गोलू गोस्वामी, मनीष दुबे एवं प्रिंस चौबे सहित गणमान्य अतिथि, समिति के सदस्य, प्रतिभागी परिवार एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

पीजी कॉलेज के पास सड़क का कराया जाए मरम्मत

सड़क खराब होने के कारण छात्रों के साथ दुर्घटना होने पर बनी रहती है संभावना

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। आजाद सेवा संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा की उपस्थिति में एवं आजाद सेवा संघ छात्र मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को ज्ञापन सौंपकर बताया कि पीजी कॉलेज पूरे संभाग का सबसे बड़ा महाविद्यालय है महाविद्यालय में संभाग भर के छात्र प्रवेश लेते हैं और रोजाना 400-500 छात्र महाविद्यालय में आना जाना करते हैं महाविद्यालय के आस पास की सड़क पूरी तरीके से खराब हो चुकी है जिसके कारण हर समय छात्रों के साथ दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है और छोटी मोटी दुर्घटना आए दिन होती रहती है ऐसे में छात्रों के साथ कोई बड़ी दुर्घटना में जनहानि ना हो इसके लिए संघ के द्वारा कार्यपालन अभियंता को ज्ञापन सौंपकर मांग किया है महाविद्यालय के आसपास की सड़कों को सिर्फ गड्ढे भर कर और मुरूम डालकर ना किया जाए सड़कों को सही ढंग से मरम्मत किया जाए क्योंकि गड्ढे मिट्टी से भर दिए जाते हैं और कीचड़ वाली जगहों पर मुरूम डाल दिया जाता है लेकिन जैसे वर्षा होती है तो वह स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है कि महाविद्यालय की आस पास की सड़क का जल्द से जल्द मरम्मत कराया जाए जिसमें छात्रों के साथ दुर्घटना होने का डर खत्म हो सके।

ज्ञापन सौंपते समय उपस्थित रहे सरगुजा संभाग प्रभारी रणवीर सिंह सरगुजा जिला अध्यक्ष आनंद पटेल रवि गुप्ता अंकित दुबे नीरज साहू विक्रम अजय आदि उपस्थित रहे।

सरगुजा फुटबॉल एकेडमी को आरआरवीयूएनएल ने की वित्तीय सहायता

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश के परिपालन एवं कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार की पहल पर राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) ने जिले में फुटबॉल खेल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अपने सीएसआर मद के तहत सरगुजा फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन एवं बकाया बिजली बिल के भुगतान के लिए कुल 7.62 लाख की राशि जिले के सीएसआर खाते में स्थानांतरित कर दिया है।सरगुजा फुटबॉल एकेडमी के सचिव श्री विकास सिंह ने बताया कि राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड द्वारा सीएसआर मद के तहत् वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। यह राशि गत दो वर्षों के बकाया विद्युत बिल और सरगुजा फुटबॉल प्रतियोगिता के आयोजन हेतु जिले के कोष में जमा करवाया गया है। उल्लेखनीय है कि आरआरवीयूएनएल जिले के उदयपुर विकासखण्ड में सामाजिक सरोकारों के विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करता है। जिनमें गुणवत्तायुक्त शिक्षा, स्वास्थ्य, आजिविका संवर्धन और संरचना विकास के कार्य शामिल है।

निधन

कनक रानी दत्ता

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। सरगुजा सीनियर सिटीजन आइकॉन मतदाता कनक रानी दत्ता उम्र 108 वर्ष निवास प्रतापपुर रोड कलेक्टर बंगला के पीछे अंबिकापुर में बुधवार दोपहर एक बजे निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गुरुवार 15 सितम्बर 2022 को को प्रातः 10 बजे शंकरघाट अंबिकापुर में किया जायेगा। कनक रानी दत्ता जनपद अंबिकापुर में अधीक्षक के पद पर कार्यरत स्वर्गीय निर्मल कान्त दत्ता की धर्मपत्नी थी, जिनकी मृत्यु 1984 में हो गई थी। सीनियर सिटीजन आइकॉन 108 वर्षीय

कनक रानी दत्ता अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गईं। स्व. कनक रानी दत्ता, वंदना दत्ता, स्वर्गीय निहार कान्त दत्ता, निखिल कान्त दत्ता, नीलाद्री कान्त दत्ता, निर्झर कान्त दत्ता, अल्पना सरकार, कल्पना मजूमदार एवं चंदना बोस की मां थीं। जो अपनी समाज सेवी पुत्री वंदना दत्ता के साथ अंबिकापुर में रहती थीं। कई सामाजिक, राजनैतिक, कर्मचारी संगठनों समेत आम लोगों ने इनके निधन को अपूरणीय क्षति बताया है।

स्व रामसाय राम स्मृति फुटबाल प्रतियोगिता की कुसमी में हुई शुरुआत

-उपेश सिन्हा-

कुसमी 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। हाईस्कूल स्टेडियम ग्राउंड में आज से स्व राम साय राम स्मृति फुटबाल प्रतियोगिता की शुरुवात मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य हिरामुनी निकुंज के द्वारा किया गया,फाईनल मैच 1 अक्टूबर को खेला जायेगा होगा,विजेता टीम को 21 हजार और उपविजेता टीम को 11 हजार रुपये के साथ अन्य भी पुरस्कार से समानित किया जायेगा, प्रतियोगिता में छतीसगढ और झारखंड राज्य के कुल 48 टीमो ने लिया है हिस्सा,प्रतियोगिता के शुरू होने से फुटबाल प्रेमियों में खुसी का माहौल है,आज के शुरुवात मैच शाहपुर बी टीम और बादा के बीच खेला गया जहाँ शाहपुर बी टीम ने03-01 से बादा को हराकर जीत हाशिल की,वही फुटबॉल मैच देखने के लिये स्टेडियम ग्राउंड में काफी संख्या में दर्शक आकर मैच का लुफ्त उठाया,फुटबाल मैच कार्यक्रम की शुरुवात मैच में किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष भरतसेन सिंह भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अशोक सोनी,अजजा के जिला उपाध्यक्ष विजय भगत,किसान मोर्चा के जिलामंत्री आंनद जायसवाल,जिला प्रतिनिधि विनोद गुप्ता,बालेश्वर नायक मंडल महामंत्री, बसंती भगत सरपंच संघ अध्यक्ष, कुंती भगत ,सुरभि पार्षद,इंद्रदेव निकुंज मीडिया प्रभारी शामिल हुये फुटबॉल प्रतियोगिता के प्रयोजक जिला पंचायत सदस्य हीरामुनी निकुंज और मैच का आयोजक कुसमी इंडियन क्लब के कार्यकर्ताओं के द्वारा किया जा रहा है जिसमे प्रदीप मंडल , राजा खेस, धर्मजीत राम,राजकिशोर,चन्दु,संत कुमार हरवंश कुमार,मैच के मुख्य निर्णायक के रूप मो. नईम,ज्ञान प्रकाश,दिलीप बड़ा,मधेश्वर बड़ाईक,अभय बड़ा,जितेन्द्र और उमेश गुप्ता का आज के फुटबाल मैच मेंविशेष योगदान रहा।

परसा क्षेत्र में महिलाओं के आत्मविश्वास से आर्थिक विकास की नई सुबह ले रही अंगड़ाई

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। उदयपुर क्षेत्र के ग्राम परसा,हरिहरपुर, साल्हि मैं ज्यादा दिन नहीं हुए जब इस क्षेत्र के ग्रामीण विकास की मुख्यधारा से बिल्कुल ही पीछे थे। खासतौर से यहां की ग्रामीण महिलाएं जिन्हें घर के बाहर क्या काम किया जा सकता है इसका अंदाजा ही नहीं था।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) और अदाणी फाउंडेशन की पहल से पिछले 10 सालों में जहां सरगुजा के इस परसा गाँव के किसानों ने कृषि के आधुनिक तकनीकों को सीखकर आज आर्गेनिक फार्मिंग को अपनाकर शहरी उपभोक्ताओं को उन्नत किस्म के खाद्यान तथा सब्ज़ियां मुहैया करा अपनी आमदनी को दुगना किया वही अब यहां की महिलाओं का आत्मविश्वास आर्थिक विकास की नई सुबह की अंगड़ाई ले रहा है।

अदानी फाउंडेशन के प्रशिक्षण के बाद आत्मनिर्भर बनी महिलाएं आज गांव में कई काम कर रहे हैं।

ग्राम परसा स्थित महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति (मब्स) की महिलाओं द्वारा सिर्फ मसाला प्रसंस्करण इकाई में गत वर्ष डेढ़ करोड़ का टर्न ओवर प्राप्त किया। लगातार बढ़ते आत्मविश्वास को लेकर आज महिलाएं किसी के भी सामने सिर उठाकर खड़ी रह सकती हैं मसाला प्रसंस्करण इकाई की ऑपरेशन है रीना देवी देवांगन व महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति के अध्यक्ष अनीता सिंह ने कहा कि वर्ष 22- 23 में उनके द्वारा ढाई करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ साथ आप भी राइस मिल और मास्टर ऑयल बनाने का भी काम शुरू करने की दिशा में लगभग काम शुरू कर चुकी है। इसके अलावा डेयरी के क्षेत्र में महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति के उपाध्यक्ष वेद मति उईके, व जैविक खाद प्रसंस्करण के क्षेत्र में मीना बघेल का कार्य भी लोगों के लिए एक मिसाल के समान है। डेयरी से जहां हर माह महिलाएं आर्थिक लाभ कमा रहे हैं वही जैविक खाद से आसपास के क्षेत्र में जैविक कृषि को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा महिलाओं के द्वारा हैंडवाश, फिनाइल का भी निर्माण किया जा रहा है।

सेनेटरी पैड में साल का 15 लाख का टर्नओवर

आरआरवीयूएनएल और अदाणी फाउंडेशन द्वारा सामाजिक उत्थान के तहत ना सिर्फ माहवारी सुरक्षा अभियान और स्वच्छता जागरूकता के लिए ग्राम हरिहरपुर, साल्हि, घाटबर्रा तथा फत्तेपुर में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बल्कि महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति के द्वारा सेनेटरी पैड बनाए जाने का भी काम शुरू किया गया। सेनेटरी पैड की ऑपरेशन हेड रजनी श्रीवास्तव ने बताया कि उनके हर साल का टर्नओवर 15 लाख है।

समूह में ढाई सौ महिलाएं, उनसे जुड़े परिवार व अन्य महिलाएं भी विकास से जुड़ी

क्षेत्र के विकास और यहां के लोगों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने जिस प्रकार का कार्य पिछले कुछ वर्षों में आरआरवीयूएनएल और अदाणी फाउंडेशन द्वारा किया गया यह उस क्षेत्र में जाकर देखने से ही स्पष्ट होता है। पूरी तरह से प्रशिक्षण पाकर महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति में आज लगभग ढाई सौ महिलाएं हैं। यह सभी महिलाएं अलग-अलग काम करती हैं। इस काम के एवज में उन्हें वेतन भी मिलता है। यही नहीं इन ढाई सौ महिलाओं से अलग जो महिलाएं इन से अलग से जुड़ी है उनको भी रोजगार प्राप्त हो रहा है।

बच्चों को भी दे पा रहे अच्छी शिक्षा

इन्हीं महिला समूह के द्वारा क्षेत्र में नौनिहाल शिक्षा आवासीय आश्रय भी खोला गया है। इनमें आस-पास के गांव कि जो समूह की महिलाएं हैं उनके बच्चे रहकर पढ़ाई करते हैं। इस आवासीय आश्रम में उन्हें शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व अन्य शिक्षा के लिए टीचर भी रखा गया है।

कृषि विकास अधिकारी के घर में हुई चोरी

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। मणिपुर क्षेत्र के मठपारा में कृषि विकास अधिकारी के सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने चांदी के जवरात, रुपए व जमीन के कागजात पार कर दिया है। सूचना पर मणिपुर पुलिस मामले की जांच कर विवेचना में जुट गई है।

मणिपुर चौकी क्षेत्र के मठपारा निवासी सोहन भगत जशपुर जिले में कृषि विकास अधिकारी है। मंगलवार की शाम 5 बजे वह मकान में ताला बंद कर पत्नी के साथ परिवार के किसी सदस्य को इलाज कराने अस्पताल गए थे। इस दौरान घर में कोई नहीं था। बारिश होने के कारण आने में देर हो गई। रात करीब 11 बजे घर पहुंचे तो देखा की मकान का ताला टूटा हुआ है। अंदर जाकर देखे तो तीन कमरों में सामान बिखरा पड़ा है। अलमारी में रखे सोने की कंगन, अंगुठी, पायल, 30 हजार रुपए नगद व दूसरे कमरे में रखे जमीन के कागजात व दो प्रमुख पेन ड्राइव नहीं थे। परिवार वालों ने तत्काल घटना की जानकारी डायल 112 को दी। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की। कुल चोरी लगभग दो लाख रुपए की बताई जा रही है। घटना के दूसरे दिन सुबह मणिपुर चौकी प्रभारी सरफराज फिरदौसी टीम के साथ मौके पर पहुंच कर मामले की जांच की और विवेचना शुरू कर दी है।

कृषि विकास अधिकारी का कहना है कि रात को जब हमलोग अस्पताल से वापस घर लौट रहे थे तो घर से कुछ दूर चौक के पास मेरे घर की ओर से तीन से चार बाइक में कुछ संदिग्ध युवक दिखे थे। वहीं मणिपुर पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। वहीं कृषि विकास अधिकारी सोहन गुप्ता के घर के पास कुछ जमीन है। इसका विवाद किसी व्यक्ति से चल रहा है। जिस जमीन का विवाद चल रहा है उसी का दस्तावेज चोरों ने पार कर दी है। वहीं जमीन व अन्य प्रमुख दस्तावेजों से संबंधित दो पेन ड्राइव भी चोरों ने अपने साथ ले गए हैं।

हिन्दी दिवस पर शुद्ध लेखन के लिए छात्राओं को किया गया प्रेरित

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। . होलीक्रॉस वीमेंस कॉलेज के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस समारोह मनाया। सर्वप्रथम अतिथियों को औषधीय पौधे भेंट कर स्वागत किया गया। हिंदी साहित्य की छात्रा अमृता गुप्ता, आरती कुजूर, अन्ना कुजूर सोनम टोप्पो, आकृति और प्रतिमा ने स्वागत गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। बीए अंतिम वर्ष की छात्रा प्रियांशी प्रकाश ने हिंदी भाषा की महत्ता पर बोलते हुए हिन्दी भाषा के महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमे ज्यादा से ज्यादा हिंदी का प्रयोग करना चाहिए।

एसएस अली सहायक प्राध्यापक वाणिज्य नें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा के महत्व बताते हुए वर्तमान में हिंदी भाषा के प्रयोग और व्यवहार पर प्रकाश डाला।

पूनम राजवाड़े एमए हिंदी तृतीय सेमेस्टर ने केदारनाथ सिंह की कविता %मेरी भाषा के लोग% का पाठ किया। महाविद्याय की प्राचार्य डॉ. सिस्टर शांता जोसेफ ने शुद्ध लेखन के लिए छात्राओं को प्रेरित किया और हिंदी विभाग को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम संयोजक हिंदी अध्यक्ष डॉ. मृदुला सिंह ने संचालन करते हुए कहा कि दरअसल आज हिंदी जिस रूप में मौजूद है उसे एक लंबा संघर्ष करना पड़ा है। हिंदी की बिंदी के रंग में भी काफी बदलाव हुए और आज उसे कई रंगों और कई आवाजों में देखा सुना जा सकता है। हिंदी को भले ही हमने संविधान सभा मे 14 सितम्बर 1949 को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया लेकिन वह लोक भाषा और जन भाषा के रूप में हिंदी समाज के हृदय में वर्षो से बसी हुई है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ सरिता भगत ने किया। इस अवसर पर नारा लेखन प्रतियोगिता एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता भी हुई जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में डॉ. तृप्ति पांडेय , डॉ. ममता अवस्थी, डॉ. सीमा मिश्रा सहित शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक सुमन भगत एवं कविता एक्का की सक्रिय उपस्थिति रही।

डबरी व सोलर पम्प की सुविधा मिलने से किसान का बढ़ा आत्मविश्वास

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। खेत मे डबरी निर्माण व सोलर पम्प की सुविधा मिलने से किसान रामप्रसाद का आत्मविश्वास बढ़ा और उसने धान के अलावा सब्जी की खेती भी शुरू किया। इस वर्ष आलू व गेंहू बेचकर करीब 17 हजार रुपये अतिरिक्त आय प्राप्त हुआ।ऊदयपुर विकासखण्ड के ग्राम खोंधला निवासी किसान श्री रामप्रसाद के पास करीब 5 एकड़ कृषि भूमि है। सिंचाई के साधन नहीं होने के कारण उनकी खेती बारिश पर ही निर्भर थी और केवल खरीफ सीजन में धान की खेती कर जीवन यापन चला रहे थे। विगत वर्ष उन्होंने मनरेगा के तहत अपने खेत में करीब 2 लाख 98 हजार की लागत से एक डबरी का निर्माण कराया। डबरी निर्माण के पश्चात् राम प्रसाद ने क्रेडा विभाग से अपनी डबरी के पास सोलर पैनल भी लगवाया जिसकी सहायता से उसके खेतों में अब भरपूर सिंचाई होती है। पहले वह सिर्फ धान की खेती करता था। अब वह धान के साथ बाकी सीजन में गेहूं, सरसों और सब्जी आदि लगाता है। इस बार उसके द्वारा 12 हजार रुपए का आलू तथा 5 हजार रुपये का गेहूं बेच कर अतिरिक्त आय अर्जित किया।

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय धौरपुर में हिन्दी दिवस मनाया गया

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। आज हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर में मुख्य अतिथि के रूप में थाना प्रभारी भोज गुप्ता, विशिष्ट अतिथि राजमणि मिश्रा एवं धौरपुर उपसरपंच वीरेंद्र सिंह तथा प्रवीण मिश्रा ने कार्यक्रम में शिरकत किया। विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हिंदी बेच एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर हिंदी भाषा एवं उसके महत्व के ऊपर विविध विधाओं में कार्यक्रम हुआ। जिसमें सर्वप्रथम मां शारदे प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया,साथ ही सरस्वती वंदना एवं ÷हिंदी भाषा,राष्ट्र की भाषा प्रजातंत्र की शास्त्र की भाषा÷ का सस्वर गायन छात्रा अनन्या सिंह,सुनीता सिंह,साक्षी, आराधना, अनुष्का,प्रियंका, आशादीप, सुमन,शीतल तथा छात्र अनुभव ने किया। तत्पश्चात हिंदी गीत के विशाल क्रम में तरुण रात्रे, संजीवनी गुप्ता,ईशा मानिकपुरी,अनन्या, सिंह सुनीता सिंह,पूजा यादव, प्रतिमा ,सीमा मरावी, रिंकी यादव, सुमन गुप्ता के साथ कैसियो वादन हिंदी शिक्षक परमेश्वर राम ने किया। तो वहीं हिंदी के महत्व को प्रतिपादित करते हुए भाषण के रूप में अखिलेश यादव, आराधना यादव, प्रभात यादव, आंचल तिग्गा, रोहित यादव, इशिका सोनी, अंशराज मिश्रा तथा मंचासीन अतिथियों ने भी किया,तो वहीं छात्र अमन गुप्ता ने अपना ग़ज़ल प्रस्तुत किया,कार्यक्रम के अगली पड़ाव में छात्रा,नंदिनी चांदनी ,अर्पिता गौतम ,ऋषिका, राधिका ने हिन्दी गीत में नृत्य कर दर्शकों को मुग्ध किया तो वहीं अनुष्का सोनी एवं आशादीप लकड़ा ने गीतिनाट्य के माध्यम से कार्यक्रम में समां बांधे रखा। उक्त कार्यक्रम में पूजा यादव की सस्वर गायन,÷हिंदी की जय बोल रही हूं बोले सारे हिंदुस्तान जल थल अंबर हिंदी बोले, बोले सारे हिंदुस्तान÷ सबको ध्यानाकर्षित कराते रहा। कार्यक्रम संचालन के दौरान हिंदी व्याख्याता मुरली चौहान ने हिंदी की महत्ता को कैरियर से ऊपर की बात कही है, तो वहीं व्याख्याता लीलाधर सिदार ने,हिंदी भाषा को सहज एवं आम जनजीवन की भाषा माना है। हिंदी शिक्षक सतीश खाखा ने भी हिंदी भाषा के उद्भव विकास को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अंतिम सफर में विद्यालय के प्राचार्य श्री अमित सिंह ने ÷हिंदी हमारी अभिलाषा है यही जीवन की परिभाषा है ÷ कहते हुए जीवन में हिंदी की जीवंतता को बताई है। कार्यक्रम का मंच संचालन हिंदी व्याख्याता, मुरली चौहान ने किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी छात्र- छात्राओं के साथ समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा,साथ ही तकनीकी संचालन शिक्षक हैप्पी अंबस्थ ने बखूबी किया।

CMYK

श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण चाय का उत्पादन घटेगा,भारत कर सकता है इसकी भरपाई

नई दिल्ली , 14 सितम्बर 2022। श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण चाय उत्पादन में आई कमी की भरपाई भारत कर सकता है। टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से यह बात कही गई है। टीएआई के महासचिव पीके भट्टाचार्य ने कहा कि भारतीय चाय बागान मालिकों की ओर से उत्पादित पारंपरिक किस्म की कीमतों में वृद्धि से यह बात साबित होती है। चाय के ऑक्शन प्रक्रिया में लगभग 75 रुपये से 100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है।

भारत में सालाना लगभग 110 से 120 मिलियन किलोग्राम परंपरागत चाय का उत्पादन होता है जबकि श्रीलंका में 300 मिलियन किलोग्राम होता है। भट्टाचार्य ने कहा है कि श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण उसके परंपरागत चाय उत्पादन में गिरावट आई है।

टीएआई की ओर से कहा गया है कि जुलाई 2022 तक श्रीलंका में परंपरागत चाय का उत्पादन 2021 की इसी अवधि की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत गिर गया। मीडिया से बातचीत में भट्टाचार्य ने कहा है कि यदि वर्तमान स्थिति जारी रहती है तो श्रीलंका में पारंपरिक चाय के उत्पादन में लगभग 100 मिलियन किलोग्राम की कमी आ सकती है जिसकी भरपाई भारतीय उत्पादक कर सकते हैं।

भारतीय निर्यातक यूएई और ईरान के बाजारों में भी अपनी पहुंच बनाने में सक्षम हैं जो प्रमुख रूप से परंपरागत चाय के उपभोक्ता देश हैं। टीएआई ने कहा है कि जुलाई 2022 तक भारतीय चाय के निर्यात में लगभग नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई और इस पूरे वर्ष के दौरान चाय का कुल निर्यात 20 करोड़ किलोग्राम तक हो सकता है।

सीआईएस देशों के बाद यूएई भारतीय चाय का एक प्रमुख उपभोक्ता है। इसने जनवरी से जून के दौरान 15.86 मिलियन किलोग्राम का आयात किया है जबकि एक साल पहले की अवधि में यह आंकड़ा 6.76 मिलियन किलोग्राम था। चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार ईरान ने इस अवधिक के दौरान 11.43 मिलियन किलोग्राम चाय का आयात किया जबकि 2021 की इसी अवधि में यह 10.04 मिलियन किलोग्राम था।

रेपो रेट में इसी महीने में 0.35 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है आरबीआई, जानकारों ने दिए संकेत

नई दिल्ली , 14 सितम्बर 2022। अगस्त महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़ी है और माना जा रहा है कि सितंबर में भी महंगाई दर और अधिक रहेगी। ऐसे में आर्थिक विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय रिजर्व बैंक इस महीने नीतिगत दरों (रेपो रेट) में 0.35 प्रतिशत की और बढ़ोतरी कर सकता है।

बता दें कि अगस्त महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच गयी है। एक महीने पहले जुलाई में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 6.71 प्रतिशत और पिछले साल अगस्त में 5.3 प्रतिशत थी। गौरतलब है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति लगातार आठवें महीने केंद्रीय बैंक के संतोषजनक स्तर से ऊपर बनी हुई है। महंगाई पर काबू पाने के लिए आरबीआई ने इस साल प्रमुख ब्याज दर को तीन बार बढ़ाकर 5.40 प्रतिशत कर दिया है। इसके बावजूद मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। स्विट्जरलैंड की ब्रोकरेज कंपनी यूबीएस सिक्योरिटीज में भारत के लिए मुख्य अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने कहा कि सितंबर में भी मुद्रास्फीति के अगस्त महीने के स्तर पर कायम रहने की संभावना है। हालांकि, अक्टूबर से इसमें कमी आ सकती है। ऐसे में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति 30 सितंबर की नीतिगत समीक्षा में रेपो दर में 0.35 प्रतिशत की वृद्धि का फैसला ले सकती है।

बार्कलेज सिक्योरिटीज इंडिया में मुख्य अर्थशास्त्री राहुल बजोरिया ने कहा कि थोक और खुदरा दोनों मुद्रास्फीति ऊंचे स्तर पर बनी हुई है और ऐसा अनुमान है कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति बदलते मूल्य रूझानों पर गौर करेगी। उन्होंने कहा कि समिति समय रहते 30 सितंबर तक दरें बढ़ा सकती है और यह वृद्धि 0.50 प्रतिशत की हो सकती है।

ग्लोबल बाजार में कमजोरी के बाद सेंसेक्स 950 अंक लुढ़का,निफ्टी 17900 के नीचे

नई दिल्ली , 14 सितम्बर 2022। ग्लोबल बाजार में कमजोरी के बाद सेंसेक्स 950 अंक लुढ़क गया है, वहीं निफ्टी भी कमजोर होकर 17900 के नीचे आ गया है। सेंसेक्स फिलहाल 720 अंक टूटकर 59,850 अंकों पर तो निफ्टी 206 अंक टूटकर 17866 अंकों पर कारोबार कर रहा है। आईटी सेक्टर के शेयरों में लगभग तीन प्रतिशत की गिरावट दिख रही है।

अमेरिका में अगस्त महीने में महंगाई दर अनुमान से अधिक रहने पर अमेरिकी बाजारों में बड़ी गिरावट आई। मंगलवार को डाओ जोंस 1276 अंक गिरकर 31,105 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक 633 अंक लुढ़ककर 11,634 के लेवल पर बंद हुआ। एसएंडपी में 4.32 फीसदी की गिरावट दिखी। एशियाई बाजारों में भी 2.5त्न की गिरावट आई।

एसजीएक्स निफ्टी 300 अंक गिरा। अमेरिका में महंगाई दर अगस्त महीने में 8.3त्न पर पहुंच गई। महंगाई में अपेक्षा से अधिक वृद्धि कारण फेडरल रिजर्व पहले से अधिक ज्यादा आक्रामक बढ़ोतरी कर सकता है। फेडरल रिजर्व 20-21 सितंबर की बैठक में अपना फैसला सुनाएगा।

वैष्णो देवी की यात्रा के लिए 30 सितंबर से स्पेशल ट्रेन,आईआरसीटीसी ने की घोषणा

नई दिल्ली , 14 सितम्बर 2022। आईआरसीटीसी ने 30 सितंबर से हाल में लॉन्च किए गए भारत गौरव रेक के साथ कटरा की माता वैष्णो देवी के लिए %नवरात्रि स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन% शुरू करने की घोषणा की है। जून 2022 में आईआरसीटीसी लिमिटेड की ओर से संचालित रामायण सर्किट की सफलता को देखते हुए इस बार त्योहारों के मौके पर आईआरसीटीसी ने एक नए क्षेत्र की यात्रा की घोषणा की है। विशेष पर्यटक ट्रेन 30 सितंबर 2022 को कटरा के लिए अपनी पहली यात्रा शुरू करेगी।

चार रात और पांच दिनों की होगी यह यात्रा- आईआरसीटीसी की ओर से बताया गया है कि चार रात और पांच दिनों की यह स्पेशल ट्रेन दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी, जिसमें 11 समर्पित 3 टीयर एसी कोच होंगे। एक बार में इसकी क्षमता छह सौ यात्रियों की होगी।

इन शहरों के श्रद्धालुओं को मिलेगा लाभ

वैष्णो देवी की यात्रा के इच्छुक गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, अंबाला, सरहिंद और लुधियाना शहरों से इस ट्रेन में सवार हो सकेंगे और टूर पैकेज का लाभ उठा सकेंगे। बता दें कि नवरात्र के दौरान हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जम्मू-कश्मीर जाते हैं। इस अवधि में ट्रेनों में कन्फर्म टिकटों की उपलब्धता हमेशा एक चुनौती की तरह होती है। यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईआरसीटीसी की ओर से इस स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन को चलाने का फैसला लिया गया है।

देश के निर्यात में मामूली बढ़त, पर व्यापार घाटा बढ़कर दोगुने से ज्यादा हुआ

नई दिल्ली , 14 सितम्बर 2022। अगस्त महीने में भारत के निर्यात में मामूली बढ़त दर्ज की गई है। इस महीने में निर्यात 1.62त्न बढ़कर 33.92 अरब डॉलर हो गया है। इस दौरान देश का व्यापार घाटा दोगुने से ज्यादा बढ़कर 27.98 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। बता दें कि अगस्त 2021 में व्यापार घाटा 11.71 अरब डॉलर रहा था। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में इस बात की पुष्टि की गई है। भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बुधवार (14 सितंबर) को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए गए।

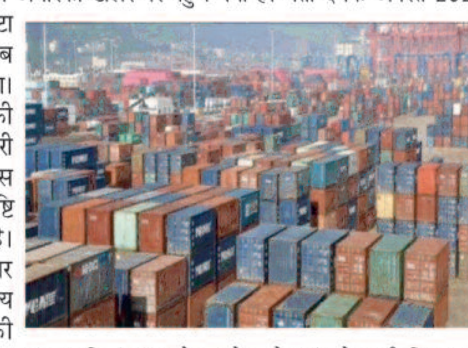

इन आंकड़ों के अनुसार अगस्त में देश का आयात 37.28 फीसदी बढ़कर 61.9 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्तीय 2022-23 के अप्रैल से अगस्त महीनों के दौरान देश के निर्यात में 17.68 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 193.51 बिलियन अमरीकी डॉलर पर पहुंच गया। वहीं इन पांच महीनों की अवधि में आयात 45.74 प्रतिशत बढ़कर 318 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 124.52 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 53.78 अरब डॉलर था।

बच्चों के दिमाग को खोखला कर रहा मोबाइल,जानें कैसे बदलता है व्यवहार

आजकल के समय में देखने को मिलता हैं कि बच्चा अपना अधिकतर समय मोबाइल में गुजारता हैं। बड़े भी बच्चों से कुछ समय के लिए छुटकारा पाने के लिए उनके हाथ में मोबाइल थमा देते हैं। आजकल स्मार्टफोन तो बच्चों का खिलौना हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बच्चों की मोबाइल का ज्यादा उपयोग करने की यह आदत उनके व्यवहार को बहुत नुकसान पहुंचा रही हैं। बच्चे के विकास पर मोबाइल और सोशल मीडिया का बुरा असर पड़ता है। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह मोबाइल और सोशल मीडिया बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहा हैं।

मानसिक बदलाव

आजकल बच्चे घंटों फोन पर आंख लगाए गेम्स खेलते रहते हैं। अगर कुछ समय के लिए उनसे फोन ले लिया जाए तो उनमें गुस्से और चिड़चिड़ापन दिखना आम बात हो गई है। सोशल मीडिया की यह लत उनमें आने वाले मानसिक बदलाव की निशानी मानी जा सकती है। सोशल मीडिया इतना बड़ा है कि बच्चा कहां, कब और कैसे क्या जानकारी ले रहा है, आप उस पर कंट्रोल नहीं रख सकते हैं। ऐसी स्थितियां बच्चों को अश्लील, या हानिकारक वेबसाइटों तक पहुंचा सकती हैं, जो उनकी सोचने की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं।

पल-पल मूड बदलना

आजकल ज़्यादातर बच्चों को मूड स्विंग की समस्या रहती है। ये पल भर में खुश, तो दूसरे ही पल चिड़चिड़े व मायूस हो जाते हैं। दरअसल, मूड स्विंग का एक बहुत बड़ा कारण मोबाइल का अधिक इस्तेमाल है। जो बच्चे स्मार्टफोन पर हमेशा अलग-अलग तरह की एप्लिकेशन ट्राई करने में बिज़ी रहते हैं, उन्हें इस तरह की समस्या ज़्यादा होती है।

डिप्रेशन का मुख्य कारण

इंटरनेट का ज्यादा प्रयोग करने वाले लोगों में डिप्रेशन (अवसाद) की चपेट में आने का खतरा सबसे ज़्यादा होता है। यह समस्या विद्यार्थियों और किशोरों में अधिक पाई जाती है। ऐसे लोगों में बेचैनी की समस्या और अपने दैनिक कार्यों को अच्छे से न निपटने जैसी समस्याएं देखने को मिलती हैं। छोटी उम्र में बच्चे अच्छे और बुरे में फर्क नहीं कर पाते हैं और सोशल मीडिया आसानी से उनकी सोच और व्यवहार को बदल सकता है।

लर्निंग डिसैब्लिटी

दिनोंदिन हाईटेक होती टेक्नोलॉजी और उसकी आसान उपलब्धता के कारण बच्चों के पढ़ने का तरीक़ा भी बदल गया है। अब वे हमारी और आपकी तरह पढ़ने के लिए दिमाग़ ज़्यादा ख़र्च नहीं करते, क्योंकि इंटरनेट के कारण एक क्लिक पर ही उन्हें सारी जानकारी मिल जाती है, तो उन्हें कुछ भी याद रखने की ज़रूरत नहीं पड़ती। मैथ्स के कठिन से कठिन सवाल को मोबाइल, जो अब मिनी कॉम्प्यूटर बन गया है कि मदद से सॉल्व कर देते हैं। अब उन्हें रफ पेपर पर गुणा-भाग करने की ज़रूरत नहीं पड़ती, इसका नतीज़ा ये हो रहा है कि बच्चे नॉर्मल तरीक़े से पढ़ना भूल गए हैं। साधारण-सी कैलकुलेशन भी वो बिना कैलकुलेटर के नहीं कर पाते।

आक्रामक व्यवहार

बच्चों के हाथ में मोबाइल होने के कारण उनका दिमाग़ 24/7 उसी में लगा रहता है। कभी गेम्स खेलने, कभी सोशल साइट्स, तो कभी कुछ सर्च करने में यानी उनके दिमाग़ को आराम नहीं मिल पाता। दिमाग़ को शांति व सुकून न मिल पाने के कारण उनका व्यवहार आक्रामक हो जाता है। कभी किसी के साथ साधारण बातचीत के दौरान भी वो उग्र व चिड़चिड़े हो जाते हैं। ऐसे बच्चे किसी दूसरे के साथ जल्दी घुलमिल नहीं पाते, दूसरों का साथ उन्हें असहज कर देता है। वो हमेशा अकेले रहना ही पसंद करते हैं।

ध्यान केंद्रित नहीं कर पाना

लगातार हानिकारक रेडिएशन के संपर्क में रहने के कारण दिमाग़ को कई तरह की समस्याओं से जूझना पड़ता है। दिमाग़ के सामान्य काम पर भी इसका असर पड़ता है। बच्चों के दिमाग़ में हमेशा मोबाइल ही घूमता रहता है, जैसे- फलां गेम में नेक्स्ट लेवल तक कैसे पहुंचा जाए? यदि सोशल साइट पर है, तो नया क्या अपडेट है? आदि। इस तरह की बातें दिमाग़ में घूमते रहने के कारण वो अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पातें। ज़ाहिर है ऐसे में उन्हें पैरेंट्स व टीचर से डांट सुननी पड़ती है। बार-बार घर व स्कूल में शर्मिंदा किए जाने के कारण वो धीरे-धीरे फ्रस्ट्रेट भी होने लगते हैं।

नींद में खलल

बच्चे दोस्तों से बात करने, गेम खेलने या सोशल मीडिया के माध्यम से ब्राऊज करने में देर तक जागे रह सकते हैं, जो समय के साथ थकान और बेचैनी का कारण बनता है। नींद पढ़ाई में भी रूकावट डालती है, क्योंकि बच्चों को स्कूल में पढ़ाई जाने वाली चीजों पर ध्यान केंद्रित करते समय बहुत नींद आती है। इसका दूरगामी प्रभाव पड़ता है जो उनके जीवन के आगे के चरणों में फैल जाता है।

काल्पनिक दुनिया में जीते हैं

मोबाइल पर सोशल साइट्स की आसान उपलब्धता के कारण बच्चे आपसे नज़र बचाकर ज़्यादातर समय उसी पर व्यस्त रहते हैं। अपने रियल दोस्तों की बजाय वर्चुअल वर्ल्ड में दोस्त बनाते हैं और उसी आभासी दुनिया में खोए रहते हैं। बार-बार पैरेंट्स द्वारा मना करने के बाद भी उनकी नज़र बचाकर वो सोशल साइट्स पर बिज़ी हो जाते हैं। नतीजतन पढ़ाई और बाकी चीज़ों में वो पिछड़ते चले जाते हैं। आभासी दुनिया में खोए रहने के कारण उनकी सोशल लाइफ बिल्कुल ख़त्म हो जाती है, जो भविष्य में उनके लिए बहुत ख़तरनाक साबित हो सकता है।

बच्चों का दिमाग तेज करती हैं खाने की ये पांच चीजें,डाइट में कर सकते हैं शामिल

सेहतमंद रहने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। पौष्टिक आहार बीमारियों से व्यक्ति से दूर रखता है, साथ ही शारीरिक और मानसिक विकास में फायदेमंद होता है। शरीर और मस्तिष्क पर खानपान व वातावरण का सबसे ज्यादा असर पड़ता है। ऐसे में बच्चों से लेकर अधिक उम्र के लोगों को खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। स्कूल जाने वाले बच्चे शारीरिक और मानसिक तौर पर बढ़ रहे होते हैं। ऐसे में उनके विकास के लिए पौष्टिकता की पूर्ति बहुत जरूरी है। कुछ ऐसी खाद्य सामग्री हैं जो बच्चों के दिमाग को तेज करती हैं और स्मार्ट बना सकती हैं। बच्चों के खानपान में वह सभी पोषक तत्व शामिल करें तो उनकी वृद्धि-विकास को बढ़ावा दें। तेज दिमाग के लिए बच्चों की डाइट में कुछ सुपरफूड को शामिल कर सकते हैं, जो ब्रेन पावर को बूस्ट करते हैं। ये रहे बच्चों का दिमाग तेज करने वाले सुपर फूड।

मेवे

बच्चों के दिमाग को तेज और स्मार्ट बनाने के लिए उनकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करें। इसमें बादाम और अखरोट जैसे मेवों को ब्रेन फूड माना जाता है। इन मेवों में प्रोटीन, विटामिन, खनिज और जरूरी फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आप बच्चों को नाश्ते में ओट्स, दूध में मेवे डालकर दे सकते हैं। उनके टिफिन में भी सूखे मेवे रख सकते हैं।

अंडे

सेहत के लिए अंडे फायदेमंद हैं। वहीं अगर स्कूल जाने वाले बच्चे अंडे का सेवन करते हैं तो उनके दिमाग पर भी अच्छा असर पड़ता है। अंडा प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो बच्चों का ध्यान केंद्रित करने और ज्ञान शक्ति व याददाश्त बढ़ाने का काम करते हैं। आप नाश्ते में अंडे की भुजिया या एग सैंडविच बच्चों को खिला सकते हैं।

बीज

ब्रेन सेल्स को स्वस्थ रखने के लिए खरबूज के बीज और कद्दू के बीच पौष्टिक हैं। कद्दू के बीच में आयरन, जिंक और कॉपर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बच्चों के दिमाग को तेज बनाने में सहायक हैं। इन पौष्टिक बीजों को ओट्स, दलिया या स्मूदी में मिलाकर खिलाया जा सकता है।

सब्जियां

सब्जियां औषधीय गुणों से युक्त पौष्टिकता का खजाना होती हैं। कहा जाता है कि नियमित हरी सब्जियों का सेवन करना फायदेमंद है लेकिन सब्जियों के साथ फल का सेवन भी लाभकारी है। शिमला मिर्च, गाजर, ब्रोकली आदि में पाए जाने वाले पोषक तत्व बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन हैं। इसके अलावा पालक, धनिया, मटर, साग आदि का सेवन सक्रिय और फिट रहने में मदद करता है।

मेकअप हटाने के लिए करें इन नेचुरल रिमूवर का इस्तेमाल,बिना किसी नुकसान के होगा काम

मेकअप महिलाओं के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका हैं जिसे वे जब भी घर से बाहर निकलती हैं तो आजमाती हैं। लेकिन जरूरी हैं कि घर आने के बाद रात को सोने से पहले स्किन को मेकअप से आजादी दी जाए। ऐसा करने से स्किन अच्छी बनी रहती है। इसके लिए आपको निश्चित तौर पर एक बेहतर मेकअप रिमूवर का इस्तेमाल करना चाहिए। बाजार में कई तरह के मेकअप रिमूवर मिल जाएंगे लेकिन नेचुरल चीजों का इस्तेमाल किया जाए तो अच्छा रहता हैं जिनके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं। ये घरेलू मेकअप रिमूवर आपका मेकअप उतारने के साथ प्रोडक्ट्स के साइड इफेक्ट को कम करेंगे और आपकी स्किन को हेल्दी बनाने का काम करेंगे। आइये जानते हैं इन नेचुरल मेकअप रिमूवर के बारे में...

दूध

मेकअप रिमूवर के रूप में कच्चा दूध बहुत अच्छा काम करता है। इसे रुई में भिगोकर आप चेहरे पर लगाएं फिर हाथों से हल्की मसाज करके मेकअप को हटा सकती हैं। इसके बाद पानी से मुंह धो लें। अगर दूध कच्चा नहीं है तो भी चलेगा, लेकिन उसमें थोड़ी सी मलाई मिक्स करके यूज करें। दूध आपके चेहरे पर भी निखार लाने का काम करता है।

विटामिन ई ऑयल

एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर विटामिन ई स्किन को मुलायम बनाती है। 60 एमएल जोजोबा ऑयल और एक विटामिन ई कैप्सलू को मिलाकर एक शीशे की बॉटल में रख दें और जब भी ज़रूरत हो यूज़ करें। इससे आप आसानी से वॉटर प्रूफ मसकारा, लिक्विड आई लाइनर भी रिमूव कर सकती हैं बिना ज़्यादा मेहनत के।

आलमंड ऑयल

इससे मेकअप साफ करने के लिए एक बड़े चम्मच दूध में बादाम के तेल की कुछ बूंदें मिलाएं और कॉटन बॉल से अपने चेहरे पर लगाएं। फिर दूसरे साफ कॉटन बॉल से इसे हटा दें। दूध आपकी स्किन के लिए एक बेहतरीन सामग्री है। यह आपकी स्किन को हाइड्रेट करता है।

एलोवेरा जेल

मेकअप छुड़ाने के लिए एलोवेरा जेल को लेकर चेहरे पर हल्के हाथ से मसाज करें और किसी कॉटन पैड या टिशू पेपर से मेकअप पोंछ लें। यह लिपस्टिक, काजल और फाउंडेशन को भी चेहरे से आसानी से छुड़ाने में कारगर है।

खीरे का रस

कई फेस वॉश और टोनर भी खीरे से बनाए जाते हैं। यह इरिटेटेड स्किन को भी आराम पहुंचाने का काम करता है। पानी से भरपूर होने के चलते खीरा ऑयली स्किन से मेकअप हटाने में बेहद कारगर है। आप खीरे के रस से मेकअप छुड़ा सकती हैं या फिर खीरे को ब्लेंड करके उसमें ऑलिव ऑयल मिलाकर भी चेहरे पर लगा सकती हैं। आपका मेकअप चुटकियों में छूट जाएगा।

दही

हर दिन दही खाने और चेहरे पर लगाने से स्किन ग्लो करती है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि इसे आप मेकअप उतारने के लिए भी यूज़ कर सकती हैं। जी हां, दही एक बेहतरीन और यूज़फूल मेकअप रिमूवर है। इसके लिए सबसे पहले दही को अच्छी तरह से फेंट लें फिर इसमें कॉटन के बॉल को डूबोकर चेहरे पर लगाएं और हल्के से रगड़ें। जब मेकअप पूरी तरह से निकल जाए तो चेहरे को पानी से धो लें।

ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल यानी जैतून का तेल स्किन के लिए बहुत ही फ़ायदेमंद होता है। इससे चेहरे की मालिश करने पर चेहरे का रंग निखरता है। इसके साथ ही आप इसे मेकअप उतारने के लिए भी यूज़ कर सकती हैं। इसके लिए दो टेबलस्पून तेल में आधा टीस्पून पानी मिलाकर चेहरे पर लगाएं और धीरे-धीरे मालिश करें। मेकअप उतारने के साथ ही ये स्किन को मॉइश्चराइज़ भी करता है।

मनरेगा में हुए फर्जीवाड़े में जांच के बावजूद कार्यवाही के लिए किसका इंतजार ?

» मनरेगा एवं अन्य कार्यो में हुए फर्जीवाड़े की शिकायत पर जांच तो हुई पर कार्यवाही कब ?

» जनपद उपाध्यक्ष गुलाब चौधरी ने कार्यवाही ना करने को लेकर कहा क्या प्रशासन बचाने का कर रही प्रयास ?

» इतने बड़े फर्जीवाड़े में प्रशासन क्यों नहीं कर रही कार्यवाही:गुलाब चौधरी

» 62 से 65 वर्ष की उम्र सेवा मुक्त अवधि,मनरेगा में 85 से 90 वर्ष के उम्र में लोग कर रहे काम, इतनी क्षमता कहां से?

» विकासखंड सोनहत के ग्राम पंचायत केशगवा के शिकायतकर्त्ताओ का बड़ा आरोप व्यापक पैमाने में हो मनरेगा एवं अन्य कार्यों में फर्जीवाड़ा।

» ग्राम पंचायत केशगवा मनरेगा एवं अन्य कार्यों में फर्जीवाड़ा एवं अनियमितता को लेकर कलेक्टर कोरिया से कार्यवाही जांच की मांग।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 14 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जनपद पंचायत सोनहत के अंतर्गत ग्राम पंचायत केशगवा में मनरेगा व अन्य कार्यों में जमकर फर्जीवाड़ा हुआ था, जिसे लेकर लंबी चौड़ी शिकायत भी कलेक्टर को की गई थी शिकायत के बाद जांच तो हुई पर कार्यवाही का अभी भी ग्रामीणों को इंतजार है, जिसे लेकर जनपद पंचायत सोनहत के जनपद उपाध्यक्ष व कॉन्ग्रेस किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष गुलाब चौधरी ने कहा कि फर्जीवाड़ा काफी हुआ है अभी तक कार्यवाही क्यों नहीं हो रही आखिर क्या प्रशासन उन्हें बचाना चाह रहा है और यदि बचाना चाह रहा है तो किसके इशारे पर बचाया जा रहा है आखिर दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

मनरेगा में फर्जी हाजिरी का चलन काफी पुराना है जो खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है, इस बार फिर से एक बड़ी शिकायत हुई है जिसमें कई तरह के आरोप लगाए गए हैं आरोप कोरिया जिले के सोनहत विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत केशगवा का है जहां ग्रामीणों ने व्यापक पैमाने पर मनरेगा एवं अन्य कार्यों में फर्जीवाड़ा व अन्य अनियमितता का आरोप लगाते हुए जांच की मांग कोरिया कलेक्टर से की है, ग्रामीणों कोरिया कलेक्टर को चार पन्ने के शिकायत में 19 बिंदुओं पर अनियमितता व फर्जीवाड़े की शिकायत किया गया है यदि सारे बिंदुओं की जांच सूक्ष्मता से हो जाए तो फर्जीवाड़े की कलाई खुल जाएगी। जहां 62 से 65 वर्ष में लोग कार्यों से सेवा मुक्त हो जाते हैं वहां मनरेगा में 90 की उम्र में भी लोग काम कर रहे हैं जिन्हें पेंशन भी मिल रही है ऐसे में सवाल यह उठता है क्या 85 से 90 वर्ष के लोग भी मनरेगा जैसे कठिन काम कर सकते हैं, क्या उनका शरीर इस अवस्था में भी काम करने योग्य है ऐसे कई सवाल हैं जो मनरेगा के हाजिरी या मास्टर रोल में इन नामों को देख कर उठ रहा है।

कार्यवाही के लिए 4 पन्ने का शिकायत

ग्रामीणों ने विकासखण्ड सोनहत अन्तर्गत ग्राम पंचायत केशगवा में व्यापक पैमाने पर मनरेगा एवं अन्य कार्यों में फर्जीवाड़ा एवं अनियमितता की जांच एवं कार्यवाही के लिए 4 पन्ने का शिकायत कोरिया कलेक्टर को सौपते हुए शिकायत में आरोप लगया था की ग्राम पंचायत केशगवा में व्यापक पैमाने पर सुनियोजित तरीके से फर्जीवाड़ा को अंजाम देने हेतु एक परिवार में दो तीन जॉब कार्ड बनाये गये हैं, जबकि एक परिवार में एक जॉब कार्ड दिये जाने का शासन की ओर से प्रावधान है तथा प्रत्येक जॉब कार्डधारी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में निर्धारित कार्य दिवस का रोजगार उपलब्ध कराना है। एक परिवार में एक की जगह तीन अलग-अलग व्यक्तियों के नाम से जॉब कार्ड बनाये गये हैं। जैसे 11 उमेश कुमार / श्यामकार्तिक पुरुष 28 वर्ष, 2301 रमेश कुमार/ श्यामकार्तिक पुरुष 26 वर्ष, एवं 312 मोतीमणी / श्यामकार्तिक 38 वर्ष के नाम से तीन (03) जॉब कार्ड बनाये गये हैं जबकि एक ही परिवार के मां-बेटे सदस्य हैं। इनका 01 (एक) जॉब कार्ड जारी किया जाना था जबकि फर्जीवाड़े को अंजाम देने की मंशा से एक परिवार में 03 जॉब कार्ड फर्जी जारी किय गये है।

जॉब कार्ड जारी पर कोई कार्य नहीं हुआ, मेट फर्जीवाडे में सामिल-

17 मुनिकरण पुरूष 30 वर्ष और सदस्य श्रीमती महिला 29 वर्ष, वर्ष 2016 में जॉब कार्ड जारी किया गया है इनके द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत किसी कार्य में कभी भी कोई कार्य नहीं किया गया है यह बात जांच उपरांत सत्य सिद्ध होगा, इसके बावजूद फर्जीवाड़ा करते हुये मस्टर रोल में फर्जी उपस्थिति का इन्द्राज कर विभिन्न कार्यों के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2017-18 2018-19, 2020-21 एवं 2021-22 में कुल 80219 (अस्सी हजार दो सौ उन्नीस) रू. आहरण किया गया है जो अवैध व वसूली योग्य है। संतोष/मुनिकरण पुरूष 30 वर्ष, मंजू महिला 21 वर्ष के नाम से जॉब कार्ड जारी किया गया है, इन्होंने 2017 से वर्ष 2022 तक सभी कार्यों में लगातार मेट रहकर फर्जीवाड़ा को अंजाम दिया गया है जबकि मेट, मेटपैनल में चक्रीय पद्धति के आधार पर बदलने का प्रावधान है परंतु खुद को मेट के रूप में फर्जीवाड़ कर बनाये खता है। इन्होंने अपने साथ अपनी पत्नी मंजू की उपस्थिति फर्जी तरीके से इन्द्राज ÷किया गया है इसकी पत्नी कभी भी कोई कार्य मनरेगा में नहीं की है।

इन-इन लोगों के नाम पर लाखो का फर्जीवाड़ा

इनके द्वारा वर्ष 122017-18 से 2021-22 तक की स्थिति में 1,11,280 रूपये (एक लाख ग्यारह हजार दी अस्सी रूपये) संयुक्त रूप से आहरण किया गया है जो अवैध व वसूली योग्य है। 2136 बालरूप बैजनाथ पुरुष 48 सदस्य सजूकुमार 19 वर्ष एवं अन्य 4 सदस्य हैं जिसमें संजू कुमार शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कटगोड़ी में नियमित विद्यार्थी (वेल्डर ट्रेड) होने के बावजूद वर्ष 2021 एवं 2021-22 में मस्टररोल में फर्जी हाजरी भरकर संयुक्त रूप से 34,591 रूपये (चौतीस हजार पांच सौ इक्यानबे रूपये) का आहरण किया गया है, जो अवैध व वसूली योग्य है। मोतीमणी/श्यामकार्तिक 12 इनके द्वारा बिना काम किये मस्टर रोल में फर्जी उपस्थिति का इन्द्राज कराया गया है जिसके द्वारा 2018 से 2021-22 तक 41,502 रूपये (इकतालिस हजार पांच सौ दो रुपये) का आहरण किया गया है, जो अवैध व वसूली योग्य है। जॉब कार्ड क्रमांक 301 रमेश कुमार / श्यामकार्तिक पुरुष 26 वर्ष एवं मनीषा महिला 24 वर्ष के नाम से जॉब कार्ड जारी है इनके द्वारा मनरेगा के कार्यों में कभी भी कार्य नहीं किया गया है किन्तु फर्जीवाड़ा को अंजाम देते हुए वित्तीय वर्ष 2018-19 से वर्ष 2021-22 तक की स्थिति में 88,062 रूपये (अट्ठासी हजार बासठ) रूपये आहरण किया गया है, जो फर्जी व वसूली योग्य है। जॉब कार्ड नं 311 उमेश/श्यामकार्तिक पुरुष 28 वर्ष के नाम से जॉब कार्ड जारी है, मनरेगा के कार्यों में इनके द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया है, इसके बावजूद वर्ष 2018-19 से 2021-22 तक की स्थिति में 73.029 (तिहत्तर हजार उन्तीस रूपये) का आहरण किया गया है जो अवैध व वसूली योग्य है। जॉब कार्ड न. 348 राम स्वरूप / अमर सिंह पुरुष 25 वर्ष सदस्य कलिता सिंह महिला 20 वर्ष के नाम से जॉब कार्ड जारी है जॉब कार्डधारी के द्वारा कभी भी मनरेगा के कार्यों में काम नहीं किया गया है इसके बावजूद राम स्वरूप एवं कलिता सिंह फर्जी हाजरी भराकर वित्तीय वर्ष 2021-22 में 22,398 रूपये (बाइस हजार तीन सौ अनठानवे) रूपये का अवैध रूप से आहरण किया गया है, जो अवैध व वसूली योग्य है। जॉब कार्ड न 112 उजित/मेरसाय पुरूष 35 वर्ष, शांति महिला 23 वर्ष, बालकुमारी महिला 26 वर्ष के नाम से जॉब कार्ड जारी है। यहां फर्जीवाड़ा कर बालकुमारी जो रामरूप की पत्नी है जो अलग परिवार से है, के नाम से 2021-22 में 27.886 रूपये (सत्ताईस हजार आठ सौ छियासी रूपये) आहरण किया गया है जो अवैध व वूसली योग्य है। साथ ही अन्य परिवार के सदस्य को स्वयं के कार्ड में दर्ज कराकर संयुक्त रूप से उजित सिंह व बालकुमारी द्वारा फर्जीवाड़ा सुनियोजित तरीके से किया गया है जबकि बालकुमारी का पति रामरूप सिंह पिता अमर सिंह भृत्य के पद पर छात्रावास घुघरा में पदस्थ है। उक्त फर्जीवाड़े पर आवश्यक उचित कार्यवाही हो। जॉब कार्ड 200 अनुमनदेव/कमलेश्वर पुरुष 22 वर्ष दुर्गावती 298 महिला 25 वर्ष के नाम से जारी है, जबकि सदस्य दुगार्वती जॉब कार्डधारी प्र.134 अमरसिंह/मेरसाय की पत्नी है और जॉब कार्ड नं. 134 की सदस्य है। दूसरी ओर अजुमन देवा जॉब कार्ड नं. 298 रजवार जाति का है, जिसमें फर्जीवाड़े को अंजाम देने हेतु अजुमनदेवा, अमर सिंह व दुर्गावती संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं इन पर आवश्यक उचित कार्यवाही आवश्यक है। इनके द्वारा 2018-19 से 2021-22 में कुल 30,107 रुपये (तीस हजार एक सौ सत्तर रुपये) आहरण किया गया है जो अवैध वसूली योग्य है। ग्राम पंचायत में फर्जी कार्य जैसे भूमि समतलीकरण कार्य रमेश/श्यामवती के नाम से वित्तीय वर्ष 2021-22 में स्वीकृत हुआ है जबकि रमेश/श्यामवती नाम से कोई व्यक्ति केशगवा में निवास नहीं करता है। जांच की आवश्यकता है, जिसमें मनमाने तरीके से अवैध स्थल पर फर्जी मस्टर रोल तैयार कर 1,28,000 रूपये (एक लाख अट्ठाईस हजार रूपये) आहरण की गयी है जो अवैध व वसूली योग्य है। उक्त कार्य में जॉब कार्ड 187 उमाशंकर पुरूष पिता लालबहादुर सदस्य सोनिया महिला 30 वर्ष जारी जॉब कार्ड में सोनिया के द्वारा बिना कार्य किये वित्तीय वर्ष 2021-22 में 7,770 रूपये (सात हजार सात सौ सत्तर रुपये) फर्जी तरीके से आहरण किया गया है जो अवैध व वसूली योग्य है।

ग्राम पंचायतों में सक्रिय गिरोह अलग-अलग तरीके से मनरेगा के कार्यों में किया फर्जीवाड़ा

शिकायतकर्ता के आरोप अनुसार ग्राम पंचायतों में अनेकों प्रकार से सक्रिय गिरोह के रूप में अलग-अलग तरीके से मनरेगा के कार्यों में फर्जीवाड़े को अंजाम दिया जा रहा है वृहद है स्तर पर जांच करने के उपरांत और भी फर्जीवाड़े के तथ्य सामने उजागर होंगे, जिसमे ग्राम पंचायत के पंचायत प्रतिनिधि सरपंच सचिव रोजगार सहायक, मेट एवं स्वयं पंजीकृत मजूदर जिम्मेदार है जिनके विरुद्ध उचित अनुशासनात्मक एवं दण्डात्मक कार्यवाही किया जाकर न्यायहित में अति आवश्यक है। जिस पर ग्रामीणों ने कलेक्टर कोरिया से अनुरोध किया है की उक्तानुसार तथ्यों के आधार पर ग्राम पंचायत केशगवां के मनरेगा कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितता की समुचित जांच कराते हुये पाये गये दोषी पंजीकृत मजदूर, मेट, सरपंच, सचिव, अधिकारी कर्मचारी एवं पंचायत पदाधिकारियों पर उचित अनुशासनात्मक एवं दाण्डिक कार्यवाही कराने हेतुआदेशित करते हुये दुरूपयोग किये गये सम्पूर्ण धन राशि संबंधितों से वसूली कराते हुए कार्यवाही करने की दया करें।

मनरेगा के कार्यों में फर्जी हाजरी-

रमेश/श्यामकार्तिक जॉब कार्ड नं. 301 पुरुष 26 वर्ष पंजीकृत अकुशल मजदूर है जो बगैर कार्य किये ग्राम पंचायत में चल रहे मनरेगा के कार्यों में फर्जी हाजरी दर्ज कराकर अवैध राशि का भुगातन प्राप्त करता है साथ ही कुमार कंस्ट्रक्शन (मटेरियल सप्लायर) के नाम से करदाता बनकर सामग्री प्रदान कर अवैध रूप से भुगतान प्राप्त करता है, यह कृत्य फ्रॉड एवं वृहद फर्जीवाड़े को प्रदर्शित करता है, जिसके विरुद्ध उचित, सख्त दण्डात्मक एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही आवश्यक है। ग्राम पंचायत में मनरेगा द्वारा स्वीकृत कूप निर्माण कार्य अपूर्ण व अधूरे होने के बावजूद पूर्णता प्रमाण पत्र एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी कराते हुए संपूर्ण राशि का आहरण कर लिया गया है जबकि स्थल पर कार्य अपूर्ण है जैसे भागवत पिता जगरनाथ कूप निर्माण, मेवालाल / रामप्रसाद कूप निर्माण, इत्यादि। ग्राम पंचायत में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत् कार्यों के संबंध में जानकारी हेतु दिनांक 21/02/2022 को ग्राम पंचायत केशगवा में, दिनांक 30/03/2022 को जनपद पंचायत सोनहत में तथा 28/04/2022 को जिला पंचायत कोरिया के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर भी आज पर्यन्त तक किसी भी प्रकार की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है जिसे सुनियोजित तरीके से फर्जीवाड़े को किये जाने का प्रमाण माना जा सकता है। पूरे ग्राम पंचायत में गिरोह बनाकर, डरा-धमका कर दबंगई दिखा कर सुनियोजित तरीके से वर्षों पूर्व से नरेगा एवं अन्य पंचायत के कार्यों में फर्जीवाड़े को वर्तमान स्थिति तक अंजाम दे रहे है साथ ही वित्तीय वर्ष 2022-23 में चल रहे मनरेगा के तालाब गहरीकरण एवं अन्य कार्यों में इन सब लोगों की फर्जीवाड़े की संलिप्तता जांच उपरांत उजागर हो सकेगी। इस प्रकार ये सभी मनमाने तरीके से हाजिरी दर्ज कर शासन के खाते से अवैध भुगतान प्राप्त कर रहे हैं।

जिले में सड़क दुघटनाओं में नहीं लग रहा विराम

-संवाददाता-
कोरबा 14 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

साल खत्म होने में अभी साढ़े 3 महीने का वक्त बाकी है. लेकिन सड़क दुर्घटना में मरने वालों का आंकड़ा दोहरा शतक लगा चुका है ढ्ढ नक्सली हमलों में जितने लोगों की मौत नहीं होती, उससे कहीं अधिक मौत हर साल सड़क दुर्घटनाओं की वजह से हो रहीं हैं ढ्ढ इसे लेकर कई स्तर पर मंथन होते हैं. प्रशासन के अलग-अलग विभाग, ट्रैफिक, परिवहन और पुलिस मिलकर कार्य योजनाएं तो बना रहे हैं. लेकिन उन पर अमल नहीं होता, असर धरातल पर नहीं दिखता ढ्ढ1 दिन पहले बांगो थाना के मड़ई घाट के पास बस ने सड़क पर खड़े ट्रेलर को टक्कर मारी, जिसमें सवार 6 लोगों की जान चली गई. पुलिस ने जांच में पाया कि बस चालक काफी तेज रफ्तार में था ढ्ढ जो खड़े ट्रेलर के बगल से अपनी बस को सुरक्षित नहीं निकाल सका. जिसके कारण बस सीधे ट्रेलर से जा टकराई. इस वर्ष के जनवरी माह से लेकर अगस्त तक की स्थिति में कोरबा जिले में 200 लोगों ने अपनी जान गवां दी है जिले में अब तक की स्थिति में 415 सड़क हादसे हुए हैं. जिसमें 394 लोग घायल हुए, जबकि 200 लोगों की मौत हो गई है सर्वाधिक मौत कटघोरा मोरगा नेशनल हाईवे 130 पर हुई है ढ्ढ जो कि सड़क दुर्घटनाओं के लिहाज से जिले का सबसे संवेदनशील हिस्सा है ढ्ढ इस सड़क पर लगातार हादसे हुए हैं. जिसमें लोगों ने अपनी जान गंवाई.बीते 9 महीनों के दौरान कटघोरा से मोरगा के बीच हुए सड़क हादसों में 50 लोगों ने अपनी जान गंवाई है. खासतौर पर बांगो थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली इस सड़क पर सड़क हादसों को रोक पाना असंभव लगने लगा है ढ्ढ जिले में पहले 5 ब्लैक स्पॉट थे. जो सड़क दुर्घटनाओं के लिहाज से सबसे डेंजर जोन थे ढ्ढ तीन में सुधार कार्य हो गया है. जबकि दो खतरनाक ब्लैक स्पॉट इसी सड़क पर है ढ्ढ पहला तानाखार तो दूसरा गुरसियां चौक में है ढ्ढ खतरनाक ब्लैक स्पॉट के अलावा इसी सड़क पर 11 ग्रे स्पॉट भी चिन्हित किए गए ढ्ढ जोकि सड़क दुर्घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील स्थल होते हैं. इन पर भी कई तरह के सुधार कार्य प्रस्तावित हैं ढ्ढसड़क का सफर सुगम बनाने और दुर्घटनाओं को कम करने के लिए 25 जुलाई 2022 को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर संजीव झा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति का बैठक की गई थी इसमें पुलिस के साथ ही पीडब्ल्यूडी, एनएचएआई और परिवहन विभाग जैसे कई विभागों के अधिकारी शामिल थे. बैठक में 27 बिंदुओं पर निर्देश दिए गए थे. खासतौर पर नेशनल हाईवे 130 पर चर्चा की गई थी. यहां हाईवे पेट्रोलिंग की रिस्पांस टाइम को कम करने के साथ ही कई तरह के अनुशंसा की गई थी. यह अनुशंसाएं बैठक के ढाई महीने बाद भी अधूरी हैं. यहां तक कि पिछले सड़क सुरक्षा समिति की अनुशंसा को भी ठीक तरह से लागू नहीं किया गया है. नेशनल हाईवे के अलावा अन्य स्थानों पर वाहनों की चेकिंग, नाबालिग बच्चों को खुद के वाहन से स्कूल जाने से रोकना. हेलमेट की अनिवार्यता, आवारा पशुओं को नियंत्रित करना, शहर के किनारे अतिक्रमण को हटाना, बांगो मार्ग पर खड़े ट्रेलर को तत्काल हटाने के लिए क्रेन उपलब्ध कराना. इस तरह की अनुशंसा की गई थी ढ्ढ लेकिन कुछ एक निर्देश को छोड़ दिया जाए. तो लगभग सभी अनुशंसाएं, अब तक लागू नहीं हो सकी हैं ढ्ढ ट्रैफिक डीएसपी सिंह चरण सिंह परिहार कहते हैं कि ÷सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हम हर संभव प्रयास करते हैं. लेकिन ज्यादातर लोग बिना हेलमेट पहन कर दो पहिया वाहन चलाते हैं. जान जाने वालों में इनकी संख्या 70 फीसदी है.जबकि शराब पीकर वाहन चलाना और बेतरतीब रफ्तार से वाहन चलाना दुर्घटनाओं के दूसरा बड़ा कारण हैं. सड़क सुरक्षा समिति की अनुशंसाओं को अमल में लाने के लिए अन्य विभागों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है. हमने फोटोग्राफी भी करवाई है इसे जल्द लागू करेंगे. फिलहाल एसपी के निर्देश के तहत निजात अभियान चलाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जा रही है।

यात्री प्रतीक्षालय की हालत जर्जर

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 14 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एसईसीएल पांडवपारा कालरी क्षेत्र में सामुदायिक विकास मद से निर्मित यात्री प्रतीक्षालय की हालत जर्जर हो चुकी है जिस वजह से इसका उपयोग करना खतरे से खली नहीं।

बता दे की पांडवपारा कालरी क्षेत्र के ग्राम टेमरी एवम टेगनी में सामुदायिक विकास मद से यात्री प्रतीक्षालय का निर्माण कई बर्षो पूर्व कराया गया था जो देख रेख के अभाव में पूरी तरह से जर्जर हो चूका है, इसकी हालत इतनी जर्जर हो चुकी है की किसी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है, क्योंकि इस बरसात के मौसम में स्कूली छात्र एवम ग्रामीण बारिस से बचने के लिए घंटो यह सिर छुपाए बैठे रहते है, इसके अलवा वह पर और कोई जगह नहीं है तकी स्कूली बच्चे एवम ग्रामीण राह गिर, कालरी कर्मी बारिश में छाव देकर रुक सके मज़बूरी में उस जगह घंटो लोग रूक कर समय बिताते है, पर समस्या यह की यात्री प्रतीक्षालय की हालत इतनी जर्जर हो गई है की कभी भी इस मौसम में बड़ा हादसा हो सकता है, क्या एसईसीएल इस पल का इंतजार कर रही है, जबकि की आय दिन इस मुख्य मार्ग से उनके अधिकारी मुख्य महा प्रबधक क्षेत्रिय प्रबंधक सिविल इंजीनियर एवम उनके सभी आला अधिकारियों का आना जाना है किंतु किसी भी अधिकारी का ध्यान उस ओर आज तक नही पड़ा, जो आम लोगो एवम जन प्रतिनिधियों में चर्चा का विषय बना है और भय भी, बड़ा हादसा हो सकता जिससे बुजुर्ग एवम मासूम बचो की जान तक जा सकती है, जिससे लेकर स्थानीय जानो द्वारा स्थानीय विधायक एवम कोरिया कलेक्टर का ध्यान आकर्षित करते हुए इसे तत्काल मरममत कराए जाने की मांग की है, जिससे लोगो की जान माल की सुरक्षा हो सके।

गौ रक्षा वाहिनी व हिंदू संगठन ने गौ हत्या करने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर 14 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

गौ हत्या के विरोध में गौ रक्षा वाहिनी व हिंदू संगठन ने गौ हत्या करने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग।

नवीन जिला एमसीबी के मनेंद्रगढ़ शहर के वार्ड नंबर 4 में हुए गौ हत्या के विरोध में बैकुंठपुर गौ रक्षा वाहिनी संगठन एवं मनेंद्रगढ़ सर्व हिंदू संगठन के द्वारा थाने पहुंचकर गौ हत्या करने वाले व गौ चोरी करने वाले आरोपियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। सर्व हिंदू संगठन एवं गौ रक्षा वाहिनी संगठन के द्वारा आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा संगठन के लोगों को पुलिस प्रशासन के द्वारा आश्वासन दिया गया है कि आप निश्चिंत रहिए ऐसा घिनौना कृत्य करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा ही दिलवाई जाएगी।

548 बकायेदारों की कटी बिजली कनेक्शन

-संवाददाता-
कोरबा 14 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कोरबा विद्युत वितरण विभाग अब अपने बकायेदारों के खिलाफ एक्शन में आ गया है। विभाग ने बकायेदारों को लगातार नोटिस दे रहे हैं और बिजली बिल जमा नहीं करने वालों की सीधी लाइन काटी जा रही है। शहरी क्षेत्र में पिछले 4 दिनों के दौरान विद्युत वितरण विभाग ने 548 बकायेदारों की लाइन काटी और 81 लाख बकाया राशि वसूल करने में सफलता हासिल की है। शेष बचे 481 बकायेदारों के घर दस्तक दी जाएगी। यदि वे बिजली बिल जमा नहीं करते हैं तो तत्काल लाइन काट दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ,कोरोना काल होने की वजह से विद्युत वितरण विभाग ने अपने ग्राहकों के घर पिछले 2 वर्षो से वसूली अभियान नहीं चलाया था ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो लेकिन अब कोरोना वायरस कम हो चुका है,

इसके बाद भी लोग बकाया राशि जमा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जिसके चलते सर्किल का कुल बकाया 210 करोड़ के पास जा पहुंचा है। विभाग ने अपने बकायेदारों की सूची तैयार कर बड़े बकायेदारों जिन का बकाया 100000 रुपए से अधिक है ऐसे लोगों को चिन्हित किया है। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शहरी क्षेत्र में 100000 रुपए से अधिक के बकायेदारों की संख्या 1029 है। विभाग द्वारा सभी उपभोक्ताओं को नोटिस दिया जा चुका है और लगातार लाइन डिस्कनेशन वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है। विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक पिछले 4 दिनों के दौरान शहरी क्षेत्र में विद्युत वितरण विभाग ने कुल 548 उपभोक्ताओं के दरवाजे तक पहुंची , जहां बिजली बिल की राशि जमा नहीं करने पर 548 लोगों की लाइन काट दी गई है, जबकि 81 लाख रुपए की रिकवरी की गई है।शेष 481 अभी भी बाकी है, जिनके घर विद्युत वितरण विभाग की टीम लगातार दस्तक दे रही है और उनके बकाया राशि वसूलने के लिए प्रयास कर रही है ताकि अधिक से अधिक बकाया राशि वसूल की जा सके और विभाग का राजस्व बढ़ाया जा सके।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202209020700012

विषयः- अ-24 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2021-2022

सुभाषनगर प .ह.न. 00017 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-कार्यालय नगर पालिक निगम,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन

ईश्तहार

कार्यालय नगर पालिक निगम अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पत्र क्रमांक /1737/ न.पा.नि./ लो.नि.वि./2022-23 अम्बिकापुर दिनांक 07.09.2022 के माध्यम से नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सुभाषनगर स्थित प्लाट नंबर 45,47 रकबा 0.250, 2.970 हे0 भूमि पर नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा थोक सब्जी मण्डी का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। उक्त आबंटित स्थल पर कुल व्यक्तियों के निजी स्वामित्व की भूमि का आंशिक भाग मार्ग निर्माण हेतु निजी भूमिस्वामियों द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 48/3, 48/2, 49/2 रकबा 0.025, 0.065, 0.042 हे0 भूमि को त्यजन किए जाने बाबत् पत्र प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23.09.2022 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/09/2022 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0- 202109021700082/81/ अ-27/2020-21

// अंतिम फर्द बंटवारा ईश्तहार प्रकाशन//

आवेदक दिनेश प्रताप सिंह आ0 ईश्वरी प्रताप सिंह व अन्य निवासी ग्राम सकालो तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा ग्राम सकालो स्थित खसरा नम्बर 714/1, 766 रकबा क्रमशः 1.000, 0.5000 हे0 भूमि का आवेदक राजेन्द्र सिंह आ0 कमलेश्वरी व अन्य निवासी ग्राम सकालो तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0के मध्य खाता विभाजन हेतु हल्का पटवारी द्वारा प्रस्तुत फर्द बंटवारा सूची एवं फर्द नक्शा का अंतिम प्रकाशन किया जा रहा है।

अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/09/2022 दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 14/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा(छ0ग0)

रा0प्र0 कं0-115,116/अ-6अ/2021।22

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक करमु आ0 मोहन निवासी ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा छ0ग0 राजस्व भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान् अनुविभागीय अधिकारी (रा)अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व व अधिपत्य की ग्राम रजपुरीखुर्द, तहसील अम्बिकापुर में भूमि खसरा क्रमांक 461 रकबा 0.1660 हे0 भूमि स्थित है,जो आवेदक के पूर्ण रूप से अधिपत्य में चला आ रहा है। उक्त भूमि वर्ष 1998-99 तक आवेदक के नाम पर बी-1 में विधिवत इन्द्राज हो रहा है। आवेदक की उक्त भूमि में से खसरा क्रमांक 686 रकबा 0.5560 हे0 भूमि राजस्व रिकार्ड बी-1में त्रुटिवश छूट गया है। आवेदक को विधिवत पट्टा वर्ष 1990-91 में प्रदान किया गया था। आवेदक द्वारा भूमि खसरा क्रमांक 686 रकबा 0.5560 हे0 भूमि को राजस्व रिकार्ड में उसके नाम पर दर्ज करने का निवेदन किया गया है। जो जांच वप प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 21/10/2022 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 14/09/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

सील — नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2

विकास कार्यों के लिए एक करोड़ से अधिक की हुई स्वीकृत

हितग्राहियों को किया गया सामग्री का वितरण,ग्रामीणों ने शांति व धैर्य से सुनी अधिकारियों की बात

-संवाददाता-

अम्बिकापुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान तथा विकास कार्यो के रोड़ मैप तैयार करने हेतु ग्राम पंचायतों में सामाधन कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को उदयपुर जनपद के खनन प्रभावित ग्राम पंचायत घाटबर्रा में समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत में विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए एक करोड़ 34 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को सामग्री का वितरण किया गया। समाधान कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मौजूद जिला अधिकारियों के द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का यथासंभव समाधान भी किया गया। संवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने अधिकारियो के द्वारा दी गई विभागीय योजनाओं की जानकारी को शांतिपूर्वक व ध्यान से सुनी। जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार लंगेह,

वनमंडलाधिकारी पंकज कमल एवं अपर कलेक्टर एएल ध्रूव ने उपस्थित ग्रामीणों को शासन की योजनाओ का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा जो भी समस्याएं है उसे बेझिझक बताने

की अपील की। उन्हीने ग्रामीणों को समझाईश दी कि जिला प्रशासन सदैव उनके साथ खड़ा है । ग्राम विकास के लिए पूरा सहयोग किया जाएगा। किसी के बहकावे में न आएं।

इन सामग्रियों का किया गया वितरण- कृषि विभाग के द्वारा 23 रामतिलव मिनी किट,उद्यान विभाग द्वारा 11 मिनी किट व पौधा, स्वास्थ्य विभाग द्वारा मच्छरदानी, मछलीपालन विभाग द्वारा 1 नग जाल व आइस बाक्स,श्रम विभाग द्वारा दिव्यांग सहायता राशि 1 लाख रुपये का चेक, मेधावी छात्र प्रोत्साहन राशि 48 हजार रुपए, ठेका श्रमिक सहायता राशि 20 हजार, महिला श्रमिक प्रसूति सहायता राशि 20 हजार, खाद्य विभाग द्वारा दो हितग्राहियों को राशनकार्ड वितरण, 1 से 4 वर्ष के बच्चो के लिए 35 नग खिलौने, 150 नग स्कूल बैग, 250 पानी बॉटल 250 नग, 150 नग पेंसिल बाक्स 150 नग, 5 नग क्रिकेट किट, 50-50 नग जर्सी, टी-शर्ट एवं नेमर, बच्चों के लिए जूते ,100 नग टॉर्च, 30 नग छाता 30 नग शॉल एवं 30 नग साड़ी का वितरण हितग्राहियों को किया गया।

समाधान कार्यक्रम में एसडीएम उदयपुर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्री जेआर नागवंशी,सरपंच श्री जयनंदन सिंह पोर्ते सहित तहसीलदार, जनपद सीईओ, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कलेक्टर ने बंशीदास के समस्याओं का किया निराकरण

-संवाददाता-

कोरबा 14 सितम्बर 2022 (घटती-घटना)। एसईसीएल की खदान के लिए तीन एकड़ जमीन देने के बाद बदतर जिंदगी जी रहे 80 प्रतिशत विकलांग हो चुके बंशीदास महंत ने 5 बच्चों के साथ इच्छामृत्यु की अनुमति शासन-प्रशासन से मांगी थी । संवेदनशील इस मामले में एसईसीएल के अधिकारियों ने प्रोफेशनल रवैया अपनाया जबकि कलेक्टर संजीव झा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बंशीदास को इच्छामृत्यु की राह पर जाने से न सिर्फ रोका बल्कि उसके पुत्र को निजी एजेंसी में नौकरी देने का निर्देश देकर राहत प्रदान किया है।

विगत दिनों कलेक्टर की जन चौपाल में पहुंचकर इच्छा मृत्यु की मांग करने वाले विजय नगर कोसमंदा निवासी बंशी दास महंत को आज पुनः पहुंचने पर कलेक्टर संजीव झा ने काफी संजीदगी से समझाईश दिया कि इच्छामृत्यु किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। समस्याओं के कारणों को जानकर उनका निराकरण करके ही समस्या को सुलझाया जाता है। कलेक्टर ने बंशीदास की रोजगार और परिवार के पालन पोषण से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए उनके पुत्र को एसईसीएल कुसमुण्डा कोयला खदान क्षेत्र में किसी निजी एजेंसी में नौकरी दिलाने के निर्देश एसईसीएल के अधिकारी को दिये।

जन चौपाल में ही कुसमुण्डा के महाप्रबंधक को फोन लगाकर तत्काल नियोजित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि उनके भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रकरण हाईकोर्ट में लंबित है। प्रकरण के हाईकोर्ट से निराकरण पश्चात नियमानुसार प्रबंधन द्वारा रोजगार एवं बसाहट के संबंध में कार्यवाही की जाएगी, तब तक प्रशासन द्वारा परिवार के भरण पोषण में सहयोग के लिए पुत्र को निजी एजेंसी में नियोजित करने में सहयोग किया जा रहा है।बंशीदास ने कहा है कि पुराने अर्जन नीति पर नौकरी नहीं दी गई तब उसने नई नीति के तहत नौकरी और मुआवजा मांगा जिसे पुराने नियमों का हवाला देकर दरकिनार कर दिया गया और अब इसी को आधार बनाकर पूर्व के न्यायालयीन आदेशों का उल्लंघन किया जा रहा है जबकि प्रशासन से पूर्णतः सत्यापन कराने के बाद ही एसईसीएल नौकरी देता है तो पूर्व में जब प्रशासन-शासन ने सत्यापित कर दिया तो भी नौकरी क्यों नहीं दी गई। हालांकि प्रबंधन की ओर से जनसंपर्क अधिकारी डॉ. सनीश कुमार ने यह भी बताया है कि बंशीदास को जीविकोपार्जन के लिए गेवरा क्षेत्र की महिला मंडल समिति द्वारा आटा चक्की व अन्य दुकान संचालित करने का कार्य दिया गया था। बंशीदास का कहना है कि आटा चक्की और नौकरी में काफी अंतर है। उसे बाद में बिजली बिल और किराया पटाने के लिए कहा गया जो कि संभव नहीं था और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में जिन्हें इस तरह का रोजगार दिया गया है उनका किराया और बिजली बिल माफ है। बंशीदास ने कहा है कि उसे टार्गेट किया गया है क्योंकि वह एसईसीएल की प्रताड़ना के खिलाफ आवाज उठाता आया है। अब उसे हाईकोर्ट से उम्मीद है।

हत्यारे पति को थाना प्रतापपुर पुलिस ने किया गिरफ्तार

-संवाददाता-

सूरजपुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। दिनांक 13.09.22 को ग्राम करसी निवासी जवाहिर आयाम ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि गांव का रामेश्वर मरावी मंगलवार को दोपहर में अपनी पत्नी कुसियारो बाई को धारदार हथियार बसुला से प्रहार कर हत्या कर दिया है। सूचना पर मर्ग कायमी उपरान्त धारा 302 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने एवं घटना स्थल का बारीकी से मुआयना कर साक्ष्य संकलन करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रतापपुर की पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी रामेश्वर मरावी पिता स्व. चरन मरावी उम्र 55 वर्ष निवासी करसी को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि पत्नी के द्वारा खेत में काम करने क्यों नहीं आए कहा गया इसके बाद थक गई हूँ कुछ खिलाओं-पिलाओं, खाने-पिने के बाद मृतिका अपने पति को खेत में काम करने के लिए बोली तो आरोपी आवेश में आकर पत्नी को गाली-गलौज करते हुए डण्डा से मारपीट करते हुए घर अंदर ले गया और धारदार बसुला से प्रहार कर पत्नी की हत्या कर दिया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डण्डा व बसुला जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही थाना प्रभारी प्रतापपुर लक्ष्मण सिंह ध्रुर्वे, एसआई नवल किशोर दुबे, प्रधान आरक्षक राजेश यादव, मनोज केरकेट्टा, आरक्षक राजीव लोचन, राजेश पन्ना सक्रिय रहे

व्यापम द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा 18 सितंबर को

-संवाददाता-

सूरजपुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। व्यवसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा संचालित शिक्षक पात्रता परीक्षा टेट 2022 का जिले में सफल संचालन हेतु कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला नोडल अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा संयुक्त कलेक्टर, जिला समन्वयक एचएम दुबे, सहायक समन्वयक चंद्रभूषण मिश्रा द्वारा जिले के समस्त परीक्षा केंद्र अधीक्षक, ऑब्जर्वर एवं उड़नदस्ता टीम के सदस्यों की बैठक ली गई । जिसमें परीक्षा के सफल संचालन के लिए सभी प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया गया।

18 सितंबर 2022 को शिक्षक पात्रता की परीक्षा दो पालियों में संपन्न होगी। प्रथम पाली 9.30 बजे से 12.15 बजे एवं द्वितीय पाली दोपहर 2.00 बजे से शाम 4.15 बजे के बीच संपन्न होंगी। जिले में 21 परीक्षा केंद्र बनाया गया है जिसमें लगभग 6000 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को बैठक व्यवस्था, गोपनीय सामग्री की परिवहन, परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों के प्रवेश संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही ओएमआर शीट एवं टेक्स्ट बुक का वितरण एवं उपस्थिति पत्रक में की जाने वाली प्रविष्टि, परीक्षा समाप्ति उपरांत गोपनीय सामग्री को जमा करने संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई। अंत में केंद्र अधीक्षक एवं ऑब्जर्वर के सभी शंकाओं का समाधान किया गया।

आमजनता के कार्यो,समस्याओं व राहत संबंधी प्रकरणों का करें समय-सीमा में निराकरण

-संवाददाता-

सूरजपुर 14 सितम्बर 2022(घटती-घटना)। पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज सरगुजा श्री अजय यादव के निर्देशानुसार मंगलवार को पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने जिला पुलिस कार्यालय में पुलिस राजपत्रित अधिकारी व कार्यालयीन शाखा प्रभारियों की बैठक ली और शाखावार कार्यो की प्रगति से अवगत हुए, शाखा प्रभारियों के द्धारा कार्यो के प्रति अच्छी रूचि पर प्रसन्नता व्यक्त किया।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अच्छे कार्यो को करते हुए जनता के विश्वास पर खरा उतरे, पुलिस की हर कार्यवाही पारदर्शी व निष्पक्ष रूप से हो इस पर कड़ी निगाह रखें, विश्वसनीय पुलिसिंग के तहत आमजनता के कार्यो, समस्याओं व राहत संबंधी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करें। अच्छे कार्यो के लिए अधिनस्थों को मोटिवेट कर कार्यो की गतिशीलता बनाए रखे व माननीय न्यायालय से संबंधित कार्यो को पूर्ण जवाबदेही के साथ समय पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कार्यालय में जनता की शिकायत प्राप्त होते ही शाखा प्रभारी संबंधित थाना प्रभारी को शिकायत पत्र तुरंत भेजे और समय-सीमा में उसकी जांच हो यह सुनिश्चित कराए और फरियादियों को शिकायत पर की गई कार्यवाही से अवगत कराए ऐसी कार्यवाही से समाज व लोगों में पुलिस की छवि और अच्छी बनेगी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह से रात्रि गश्त के बारे में जानकारी लेकर उसे और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात की मॉनिटरिंग करने को कहा कि पीड़ित पक्ष के थाने आने पर एफआईआर दर्ज करने में कोताही ना हो अन्यथा संबंधित के विरूद्ध सख्त कार्यवाही कराए। महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों पर थाना प्रभारी फौरन एक्शन ले और आरोपी की गिरफ्तारी सुनिश्चित कराई जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि थानों में पंजीबद्ध मामलों के निराकरण में अनावश्यक विलम्ब न हो इस पर निगरानी रखी जावें। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह, डीएसपी मुख्यालय नंदिनी ठाकुर, कार्यालय अधीक्षक संतोष वर्मा, स्टेनो अखिलेश सिंह, स्थापना प्रभारी पंकज नेमा, सुलेमान अमिताभ, लकड़ा, आनंद पैंकरा, महेश पैंकरा, निरीक्षक धर्मानंद शुक्ला, जावेद मियादाद सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

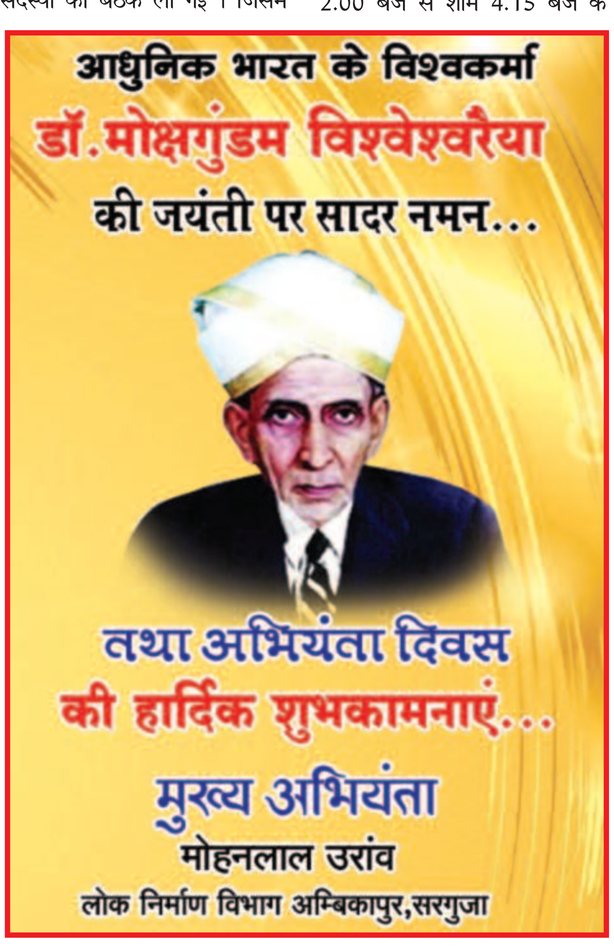

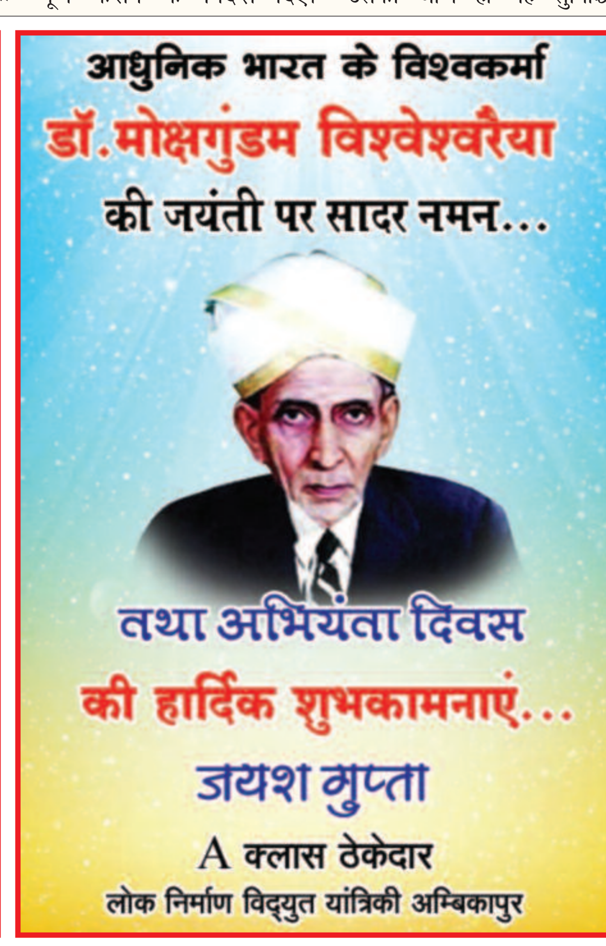

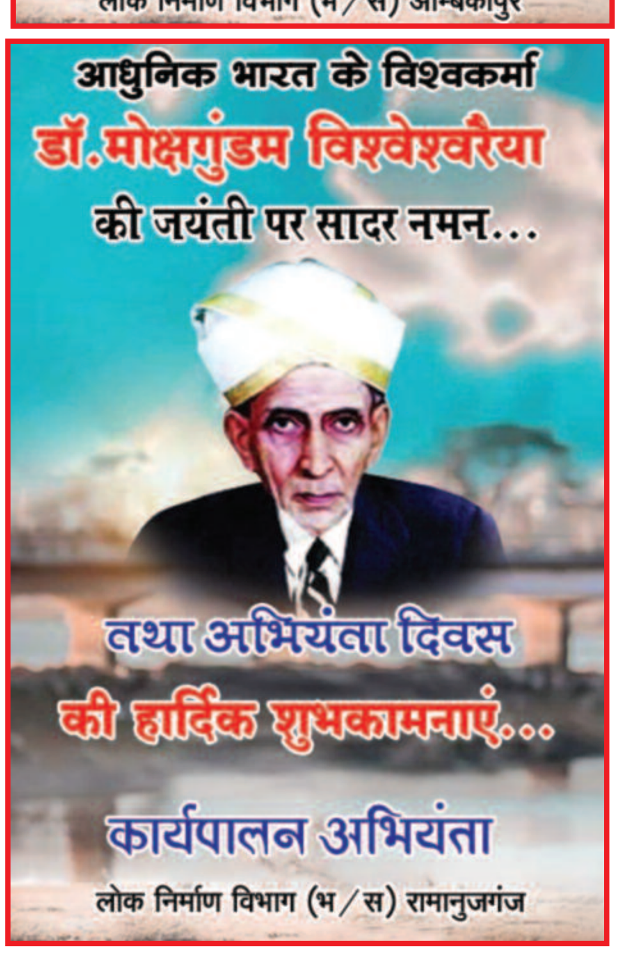

CMYK

नेशनल गेम्स के लिए खिलाड़ी जोश के साथ जुटें:पटेल

अहमदाबाद ,14 सितंबर 2022। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 36वीं नेशनल गेम्स 2022 में भाग ले रहे खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने जाने के द्वार समान 36वीं नेशनल गेम्स गुजरात में 29 सितंबर से आयोजित होने जा रही है। ऐसे में गुजरात का प्रत्येक खिलाड़ी इस नेशनल गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पूरे जोश के साथ जुटा है।

ण्श्री पटेल ने खिलाड़ियों के उत्साहवर्द्धन के लिए अहमदाबाद में आयोजित गो फॉर गोल्ड कार्यक्रम में कहा कि खिलाड़ियों की तैयारी तथा सरकार की ज़िम्मेदारी के संगम से खेल-कूद क्षेत्र में अपेक्षित परिणाम प्राप्त किए जा सकेंगे। खेलों में रुचि रखने वाले गुजरात के प्रत्येक खिलाड़ी को गुणवत्तायुक्त सुविधाएँ प्राप्त कराने के लिए राज्य सरकार उसके साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा कि गुजरात में खेल-कूद प्रतिभा पहले से ही भरपूर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा खेल महाकुंभ की परंपरा आरंभ कराए जाने से इस प्रतिभा को प्लेटफ़ॉर्म प्राप्त हुआ है। दाल-चावल खाने वालों के रूप में हमारी छवि गुजरात के इन खिलाड़ियों ने मिटा डाली है।

श्री पटेल ने कहा कि 36वीं नेशनल गेम्स के सफल आयोजन की पूर्व तैयारियो से गुजरात में भविष्य में ओलंपिक गेम्स के आयोजन की पीठिका तैयार हो रही है। इस नेशनल गेम्स में गुजरात के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अंतरराष्ट्रीय स्तरीय खेलों के लिए सज्ज बनने वाले हैं। मुख्यमंत्री ने 36वीं नेशनल गेम्स में भाग ले रहे गुजरात के खिलाड़ियों को 'गो फोर गोल्ड' का खेल मंत्र देते हुए सभी का उत्साहवर्द्धन किया और ज्वलंत सफलता की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय बेडमिंटन टीम के कोच पुलेला गोपीचंद ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि 7 वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित रही 36वीं नेशनल गेम्स की मेज़बानी गुजरात को मिली है, जो गौरव की बात है। उन्होंने भाव व्यक्त किया कि समग्र देश के खिलाड़ियों के लिए ये गेम्स एक अविस्मरणीय स्मृति बनेंगी। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में लगभग 11 हज़ार खिलाड़ी भाग लेते हैं, जबकि नेशनल गेम्स में 20 हज़ार खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इसका अर्थ है कि गुजरात ओलंपिक के सफल आयोजन में सक्षम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 8 वर्षों में खेलो इंडिया, फ़िट इंडिया एवं प्रोत्साहक योजनाओं द्वारा देश में खेल-कूद क्षेत्र में अकल्पनीय विकास हुआ है। पुलेला गोपीचंद ने स्पष्ट मत व्यक्त किया कि गो फोर गोल्ड कार्यक्रम खिलाड़ियों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि जीत के लिए प्रयास सरलता से दिखाई देते हैं, परंतु प्रोत्साहन अदृश्य होता है। उन्होंने कहा कि जीवन में प्रोत्साहन सफलता की नींव है! उन्होंने खिलाड़ियों को फ़ाइनल गेम्स से पूर्व के तीन दिनों में डायेट, नींद तथा सकारात्मक दृष्टिकोण पर ध्यान केन्द्रित करने की सीख दी। खिलाड़ियों को खेल में मिलने वाली पराजय में भी उत्साह रखते हुए विजय की ओर कूच करने की सलाह दी।

इस अवसर पर शूटर अंजलि भागवत ने कहा, आज मैं बहुत ख़ुश हूँ और मेरी ख़ुशी दुगुनी हो गई है, क्योंकि अहमदाबाद से ही मेरे कॅरियर का आरंभ हुआ था। मैं एनसीसी कैडेट के रूप में अहमदाबाद आई थी। मैंने अपने कॅरियर का पहला मैच अहमदाबाद में खेला था, रजत पदक प्राप्त किया था और स्पोर्स्ट्स क्षेत्र में कॅरियर बनाने का निश्चय किया था। उन्होंने कहा कि सात वर्षों के बाद नेशनल गेम्स आयोजित हो रही है। मच अवेटेड स्पोर्ट्स इवेंट के आयोजन के लिए गुजरात का बहुत-बहुत आभार। किसी भी खिलाड़ी के लिए नेशनल गेम्स महत्वपूर्ण होती हैं। नेशनल गेम्स मिनी ओलंपिक जैसी होती हैं, जिनमें खिलाड़ी राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपने राज्य के लिए खेलने का प्रेशर खिलाड़ी का निर्माण कर उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए सक्षम बनाता है।श्रीमती अंजलि भागवत ने 'विजय के बाद कैसा महसूस होता है' के विषय में जीतने के बाद पोडियम पर खड़े रहते हैं, तब 'आई एम द बेस्ट' की अनुभूति होती है, जो हमें आगामी मंज़िल के लिए तैयार कर सकती है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से प्लानिंग, लक्ष्य निर्धारण, स्पोर्ट्स साइंस, आत्मविश्वास, जीत का जोश-ज़ुनून, एनासिसिस आदि विषयों पर ध्यान देने का अनुरोध किया और मूल्यवान सलाह-सुझाव दिए। उन्होने गुजराती युवाओं को होम ग्राउंड पर अच्छा प्रदर्शन करने की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

इस अवसर पर राज्य के प्रधान खेल-कूद सचिव अश्वनी कुमार ने कहा कि नेशनल गेम्स के लिए समग्र राज्य में उमंगोत्साह का वातावरण अधिक उजागर करने का भी सुगठित आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि गो फोर गोल्ड इवेंट का आयोजन खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए किया गया है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से 36वीं नेशनल गेम्स में गुजरात को टॉप 5 में स्थान दिलाने के लिए संकल्पबद्ध होने का अनुरोध किया। गो फॉर गोल्ड कार्यक्रम में समग्र गुजरात से आए खिलाड़ी सहित स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ़ गुजरात तथा गुजरात स्टेट ओलंपिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि सहभागी हुए।

टी20 विश्वकप से पहले इंग्लैंड ने उठाया बड़ा कदम

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज को अपने साथ जोड़ा

नई दिल्ली ,14 सितंबर 2022। इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए सभी टीमों ने तैयारी शुरू कर दी है। इंग्लिश टीम ने भी इस मेगा इवेंट के लिए कमर कस ली है। इंग्लैंड के वनडे और टी20 के हेड कोच मैथ्यू मोट ने अपनी टीम का विस्तार किया है। उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व गेंदबाजी कोच डेविड साकर और चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज माइकल हसी को बतौर सहायक कोच टीम में शामिल किया है।

विश्वकप के लिए शामिल होंगे हसी 2010 से 2015 तक इंग्लैंड के गेंदबाजी कोच साकेर विश्वकप से पहले सात टी20 मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान के अपने दौरे पर इंग्लैंड की टीम में शामिल होंगे। वहीं हसी टी20 विश्वकप के लिए जोस बटलर की टीम की सहायता करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिडिल ऑर्डर में शानदार बल्लेबाजी करने वाले 47 साल के हसी केवल विश्वकप के लिए इंग्लैंड के सेट-अप में शामिल होंगे।

मुख्य कोच - मैथ्यू मोट सहायक कोच - रिचर्ड डॉसन सहायक कोच - कार्ल हॉपकिंसन कोचिंग सलाहकार - माइक हसी (केवल विश्व कप) कोचिंग सलाहकार - डेविड साकर इंग्लैंड का पाकिस्तान दौरा इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच 7 टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला टी20 20 सितंबर को, दूसरा 22 सितंबर को, तीसरा 23 सितंबर को, चौथा 25 सितंबर को, पांचवां 25 सितंबर को, छठा 28 सितंबर को और 7वां 30 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें टी20 विश्वकप खेलेंगी। ऑस्ट्रेलिया में यह टूर्नामेंट 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच खेला जाएगा। इसके बाद इंग्लैंड फिर पाकिस्तान के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी

पहला टी20ऱ 20 सितंबर दूसरा टी20ऱ 22 सितंबर तीसरा टी20ऱ 23 सितंबर चौथा टी20ऱ 25 सितंबर पांचवां टी20ऱ 28 सितंबर छठा टी20ऱ 30 सितंबर सातवां टी20ऱ 2 अक्टूबर पहला टेस्टऱ 1-5 दिसंबर दूसरा टेस्टऱ 9-13 दिसंबर तीसरा टेस्टऱ 17-21 दिसंबर

भारत दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका

3 खिलाड़ी हुए टीम से बाहर

नई दिल्ली ,14 सितंबर 2022। ऑस्ट्रेलिया में अगले महीने से शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले मेजबान टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के तीन प्रमुख खिलाड़ी भारत के अपने आगामी दौरे से बाहर हो गए हैं। एक तरह से ऑस्ट्रेलियाई टीम की टी20 वर्ल्ड कप 2022 की तैयारियों को ये झटका लगा है।

अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (घुटने) और प्रमुख ऑलराउंडर मिचेल मार्श (टखने) और मार्कस स्टोइनिस (साइड) चोट के कारण भारत दौरे पर नहीं आएंगे। हालांकि, 22 अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती मैच के लिए इनके फिट होने की उम्मीद है। चोटिल खिलाड़ियों को रिप्लेस करने वाले खिलाड़ियों का भी ऐलान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कर दिया है। 15 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज नाथन एलिस, डैनियल सैम्स और सीन एबॉट की एंट्री हो गई है। ये तीन खिलाड़ी तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले इस सप्ताह के अंत में भारत के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।

स्टोइनिस के चोटिल होने से टिम डेविड के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को मिचेल मार्श की अनुपस्थिति में प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है, जिन्हें माना जा रहा था कि वे ड्रॉप किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया की टीम इस प्रकार है एरोन फिंच (सी), सीन एबॉट, एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड और एडम जैम्पा।

सौरव गांगुली और जय शाह पद पर बने रहेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने कूलिंग ऑफ पीरियड से जुड़े संशोधन को मंजूरी दी

नई दिल्ली ,14 सितंबर 2022। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने अधिकारियों के कार्यकाल से जुड़े मामले में इन्हें राहत दी है। कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए बीसीसीआई के संविधान में संशोधन को भी मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने बीसीसीआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए कूलिंग ऑफ पीरियड से जुड़े संविधान में संसोधन को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि अब गांगुली और जय शाह के कार्यकाल पर फिलहाल कोई संकट नहीं है। अब यह दोनों लगातार दूसरी बार अपने-अपने पद पर बने रहेंगे।

दरअसल, बीसीसीआई ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी कि उनके अधिकारियों को लगातार दो कार्यकाल तक बने रहने की इजाजत दी जाए। बोर्ड का कहना था कि राज्य क्रिकेट संघों में भी तीन साल का कूलिंग ऑफ पीरियड होने के कारण बीसीसीआई में उसके प्रमोशन में दिक्कतें आती हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि एक कार्यकाल के बाद कूलिंग ऑफ पीरियड की ज़रूरत नहीं है, लेकिन दो कार्यकाल के बाद ऐसा किया जा सकता है। इससे साफ है कि सौरव गांगुली और जय शाह आने वाले तीन साल तक अपने पद पर बरकरार रह सकते हैं।

शतक लगाने के बाद विराट कोहली को 14 स्थान का फायदा

नई दिल्ली ,14 सितंबर 2022। अफगानिस्तान के खिलाफ 122 रन की पारी खेलने वाले विराट कोहली ने आईसीसी रैंकिंग में भी बड़ी छलांग लगाई है। 14 स्थान के फायदे के साथ विराट टी20 में बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, लोकेश राहुल और भुवनेश्वर कुमार को भी अच्छे प्रदर्शन फायदा मिला है। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान बल्लेबाजों में पहले स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार टॉप-10 में बने हुए हैं।

विराट कोहली ने लगभग तीन साल बाद अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में कोई शतक लगाया था। टी20 क्रिकेट में यह उनका पहला अंतराष्ट्रीय शतक भी था। एशिया कप में उन्होंने 276 रन बनाए थे और अब बल्लेबाजों की टी20 रैंकिंग में टॉप-20 में वापसी कर चुके हैं।

श्रीलंका के लिए कमाल करने वाले वानिंदु हसरंगा को गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान का फायदा हुआ है। वह छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने एशिया कप में नौ विकेट लिए थे। इनमें से तीन विकेट फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ झटके थे। श्रीलंका को छठी बार एशिया कप का चैंपियन बनाने में हसरंगा का अहम योगदान था। फाइनल में उन्होंने बल्ले के साथ भी योगदान दिया था। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। इसी के चलते ऑलराउंडर रैंकिंग में वह तीन स्थान के फायदे के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं।

हसरंगा अगर टी20 विश्व कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हैं तो गेंदबाज और ऑलराउंडर रैंकिंग में पहले स्थान पर आ सकते हैं। 25 साल के हसरंगा गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप पर काबिज जोश हेजलवुड से सिर्फ 100 रेटिंग प्वाइंट पीछे हैं। वहीं, ऑलराउंडर रैंकिंग में यह अंतर और भी कम है। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन फिलहाल नंबर एक टी20 ऑलराउंडर हैं। उन्होंने एशिया कप में ही अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी को पीछे किया था।

मारीच से फिर फैंस को एंटरटेन करते दिखाई देंगे तुषार

बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर लंबे समय से बड़ी परदे से गायब चल रहे है। वहीं अब वह अपनी आगामी मूवी मारीच के साथ फैंस को एंटरटेन करने के लिए तैयार हो चुके है। तुषार बहुत जल्द एक थ्रिलर मूवी मारीच में दिखाई देने वाले है, इसमें वह एक खतरनाक पुलिस वाले के किरदार में नजर आने वाले है । थोड़े देर पहले मेकर्स ने मूवी का लोगो शेयर करते हुए इसका एलान कर दिया था। वहीं मूवी में उनके अलावा नसीरुद्दीन शाह भी नजर आएंगे, जो एक कैथोलिक पादरी के रोल में दिखाई देने वाले है। खास बात बता दें कि मूवी में एक्टिंग के साथ साथ तुषार इसे प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। जी हां, तुषार एंटरटेनमेंट के बैनर तले मूवी मैरिच को निर्माण होने जा रहा है। मूवी 9 दिसंबर को सभी सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। मूवी की कहानी और डायरेक्शन ध्रुव लाठर ने की है। वर्क फ्रंट के बारें में बात की जाए तो तुषार कपूर गोलमाल, ढोल, क्या कूल है हम, जैसी कई फिल्मों में दिखाई दे चुके है, अब खबर यह है कि वह जल्द ही अपनी नई मूवीज से हर किसी का दिल जीतते हुए दिखाई देने वाले है।

शेशम माइक-इल फातिमा में मुख्य भूमिका निभाएंगी कल्याणी प्रियदर्शन

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन, जो तमिल और मलयालम दोनों फिल्म उद्योगों में लगातार हिट फिल्में दे रही हैं, अगली बार निर्देशक मनु सी. कुमार की आगामी मलयालम फिल्म शेशम माइक-इल फातिमा में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। 14 सितंबर से फ्लोर पर जाने वाली इस फिल्म का निर्माण रूट एंड पैशन स्टूडियो द्वारा किया जाना है। फिल्म के बारे में घोषणा करने और इस पर अपने विचार साझा करने के लिए इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने लिखा, शेशम माइक-इल फातिमा - यह मजेदार होगा।

संतोष शोभन, फारिया अब्दुल्ला-स्टारर लाइक शेयर एंड सब्सक्राइब का फर्स्ट लुक आउट

मरलापाका गांधी की आगामी फिल्म लाइक शेयर एंड सब्सक्राइब की इकाई, जिसमें जठी रत्नालू की अभिनेत्री फारिया अब्दुल्ला और मुख्य भूमिका में संतोष शोभन हैं, ने अब फिल्म का पहला लुक जारी किया है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर इसके शीर्षक के साथ जारी किया गया था। अजीब शीर्षक - लाइक शेयर एंड सबस्क्राइब ने फिल्म प्रेमियों और आलोचकों का ध्यान आकर्षित किया है क्योंकि यह एक ऐसा वाक्यांश है जो आमतौर पर यूट्यूब पर वीडियो कंटेंट को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जाता है।

प्रत्येक शब्द को दर्शाने वाले प्रतीकों के साथ शीर्षक लोगो बहुत दिलचस्प लगता है। फिल्म ने उम्मीदें बढ़ा दी हैं क्योंकि यह दूसरी बार है जब मेरलापाका गांधी, जो कॉमेडी बनाने के लिए जानी जाती हैं, संतोष के साथ सहयोग कर रही हैं।

दिलचस्प बात यह है कि गांधी ने संतोष की सुपरहिट एक मिनी कथा की कहानी और पटकथा भी लिखी थी। आममुक्ता क्रिएशंस इस फिल्म का निर्माण वेंकट बोयनापल्ली की निहारिका एंटरटेनमेंट के सहयोग से कर रही है, जिसने ब्लॉकबस्टर श्याम सिंघा रॉय को डिलीवर किया था।

फिल्म की यूनिट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि यह शूटिंग के आखिरी चरण में है। फर्स्ट लुक पोस्टर में जंगल में संतोष शोभन, फारिया अब्दुल्ला और नेल्लोर सुदर्शन हैं, जो ऊपर देखते हुए अजीबोगरीब भाव दे रहे हैं। फिल्म में संगीत प्रवीण लक्काराजू का है और छायांकन वसंत का है।

मुख्यमंत्री ने रायगढ़ जिले के नागरिकों से कहा,आपको विश्वास दिलाता हूं खराब सड़कों को बारिश खत्म होते ही बनवाएंगे

रायपुर, 14 सितंबर 2022। रायगढ़ में 467 करोड़ की लागत से 260 किलोमीटर सड़कों का होगा निर्माणरायगढ़ में 467 करोड़ की लागत से 260 किलोमीटर सड़कों का होगा निर्माण मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि रायगढ़ जिले में खराब सड़कों को बनाने का काम बारिश खत्म होते ही किया जाएगा । उन्होंने धरमजयगढ़ विधानसभा के ग्राम छाल में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि रायगढ़ जिले की खराब सड़कों को जल्द ही बनाया जाएगा । उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी सचिव श्री सिद्दार्थ कोमल परदेशी ने सभी खराब सड़कों का जायजा ले लिया है और वे स्वयं भीउन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी सचिव श्री सिद्दार्थ कोमल परदेशी ने सभी खराब सड़कों का जायजा ले लिया है और वे स्वयं भी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं । उल्लेखनीय है कि रायगढ़ जिले में भारी वाहनों का बहुत अधिक दवाब है, इसलिए सड़कों की स्थिति बारिश के बाद ठीक की जाएगी । लोकनिर्माण विभाग के सचिव श्री सिद्दार्थ कोमल परदेशी ने जानकारी दी कि रायगढ़ से धरमजयगढ़ 130 करोड़ की लागत से 70 किलोमीटर , खरसिया-छाल-हाटी-धरमजयगढ़-पत्थलगांव तक 190 करोड़ की लागत से 90 किलोमीटर सड़क ,छाल से घरघोड़ा तक 48 करोड़ की लागत से 23 किलोमीटर सड़क , पूंजीपथरा-तमनार -मिलूपारा तक 62 करोड़ की लागत से 26 किलोमीटर सड़क ,सारंगढ़-बरमकेला-सोहेला मार्ग साढ़े 8 करोड़ की लागत से 8 किलोमीटर, बरमकेला-सरिया-नदीगांव सड़क साढ़े सात करोड़ की लागत से 18 किलोमीटर , घरघोड़ा से लैलूंगा तक 7 करोड़ की लागत से 15 किलोमीटर और सूरजगढ़ से पड़िगांव तक 6 करोड़ की लागत से 3 किलोमीटर तक सड़क निर्माण किया जाएगा ।

किसानों को बड़ा तोहफाः अरहर,मूंग और उड़द की खरीदी समर्थन मूल्य पर होगी

रायपुर, 14 सितम्बर 2022। प्रदेश की भूपेश सरकार ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रदेश में पहली बार अरहर, मूंग और उड़द की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जाएगी। इसके साथ ही प्रदेश में रागी, कोदो, कुटकी की भी खरीदी की जाएगी। इन फसलों की खरीदी से किसानों को फायदा मिलेगा।

तिलहन और दलहन की खरीदी को लेकर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने कहा कि, प्रदेश में इस बार से दलहन और तिलहन की भी खरीदी की जाएगी। रागी, कोदो, कुटकी की खरीदी से किसानों को लाभ मिलेगा। इन सभी फसलों की खरीदी के लिए सरकारी रेट निर्धारित किया जाएगा और उसी रेट में इन फसलों की खिरीदी की जाएगी। इससे लोगों को नुकसान नहीं होगा।

महिला से छेड़छाड़ करने वाले मेडिकल ऑफिसर को गंवानी पड़ी नौकरी,सेवा समाप्ति का आदेश जारी

बिलाईगढ़, 14 सितम्बर 2022। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में स्थित स्वास्थ्य विभाग के कार्यालय में महिला से छेड़छाड़ करने के मामले में पूर्व बीपीएम की सेवा समाप्त कर दी गई है। यह कार्यवाही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के संचालक ने की। इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। दरअसल महिला कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ करने पर प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एमपी महेश्वर को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्यवाही की मांग की थी। इस पर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संचालक ने कार्यवाही करते हुए पूर्व बीपीएम थनेश्वर पटेल का राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ अंतर्गत मानव संसाधन नीति 2018 की कंडिका 34.2 और 40.1 अनुसार सेवा समाप्त कर दिया है। सेवा समाप्त करने के जारी आदेश में कहा गया है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व बीपीएम को स्पष्टीकरण जारी किया गया था, लेकिन उनकी ओर से स्पष्टीकरण में दिए गए जवाब पूर्ण रूप से असंतोषजनक है। इस कारण यह कार्यवाही की गई है। उल्लेखनीय है कि बिलाईगढ़ स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ एक महिला से वहां पदस्थ बीपीएम थानेश्वर पटेल ने छेड़खानी करते हुए अश्लील बातें की थी। इस घटना को लेकर बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय पहुंचे।

राशन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खुशखबरी:अब सिर्फ राशन ही नहीं बल्कि इन चीजों का भी उठा सकेंगे लाभ

रायपुर, 14 सितम्बर 2022।

राशनकार्ड धारकों को केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से कई तरह की योजनाओं का लाभ मिलता है. ऐसे में अगर आप भी राशन कार्ड धारक हैं, तो ये खबर आपके काम की हो सकती है.

राशन कार्ड धारकों को फ्री और सस्ते में राशन तो मिलता है, पर इसके साथ ही और भी कई तरह की सुविधाएँ मिलती हैं, जिसके बारे में जानना बेहद जरूरी है. बता दें कि इस कार्ड को आप एड्रेस प्रूफ की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके अलावा पहचान पत्र की तरह का इसका प्रयोग किया जा सकता है.

बैंक से जुड़े काम हो या फिर गैस कनेक्शन लेना हो सभी जगह आप इस कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं. वोटर आईडी कार्ड बनवाने के साथ ही अन्य जरूरी डॉक्यूमेंट्स बनवाने में भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

अगर आपकी इनकम 27 हजार रुपये से कम है तो आप गरीबी रेखा वाले राशन कार्ड के लिए अप्लाई कर सकते हैं. सरकार की ओर से इलिजिबिलिटी के अनुसार गरीबी रेखा से ऊपर , गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कार्ड और अंत्योदय राशन कार्ड बनवा सकते हैं.

अगर आप उत्तर प्रदेश के निवासी हैं, तो आप https://fcs.up.gov.in/FoodPortal.asp& पर विजिट करके ऑनलाइन राशन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन करने के कुछ दिनों बाद ही आपका राशन कार्ड आपके रजिस्टर्ड पते पर भेज दिया जाएगा.

राशन कार्ड बनवाने के लिए आईडी प्रूफ के तौर पर आधार कार्ड, वोटर आईडी, पासपोर्ट, सरकार के द्वारा जारी किया गया कोई आई कार्ड, हेल्थ कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस दिया जा सकता है. इसके अलावा पैन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, आय प्रमाण पत्र, पते के प्रमाण के तौर पर बिजली बिल, गैस कनेक्शन बुक, टेलिफोन बिल, बैंक स्टेटमेंट या पासबुक, रेंटल एग्रीमेंट जैसे डॉक्युमेंट भी लगेंगे।

वन विभाग में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का बड़ा खुलासा, सीसीएफ रायपुर सहित इन अधिकारियों पर सनसनीखेज आरोप

- वन विभाग में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का बड़ा खुलासा
- हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ.मनोज सोनी को बनाया मोहरा
- वन विभाग में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को लेकर अध्यक्ष डॉ.मनोज सोनी ने लगाया ये आरोप
- प्रोजेक्ट 56 लाख का था, लेकिन काम करने के बाद भी 10 साल बाद 8 लाख 36 हजार का भुगतान नहीं किया

रायपुर, 14 सितम्बर 2022। वनविभाग में भ्रष्टाचार का सनसनीखेज मामला सामने आया है जिसमें नीचे से लेकर उपर तक करप्शन के पूरे सिंडिकेट ने बड़ा खेल खेला है। दरअसल वन विभाग ने इंटीग्रेटेड लाईवीहुड प्रोजेक्ट के माध्यम से हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ.मनोज सोनी से 2011 में काम कराया गया। हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति ने बकायदा एफडीआर 2 लाख जमा कर काम लिया था। उसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने कराए गए काम की पहली किश्त में हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति 8 लाख 40 हजार का भुगतान किया।

हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति ने इमानदारी से काम शुरू किया, लेकिन जब दूसरे किश्त की भगुतान की बारी आई तो वन विभाग के बड़े अधिकारियों ने कागजों में उलझा दिया और 10 साल बितने के बाद भी 8 लाख 36 हजार का भुगतान नहीं किया गया। इस खेल में रायपुर सीसीएफ नायक सहित कई अफसर शामिल हैं। इस काम को करने के लिए बकायदा अधिकारी ने 80 हजार की रिश्वत भी लिया। लेकिन 8 लाख 36 हजार का भुगतान नहीं किया गया.

ये पूरा आरोप हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ.मनोज सोनी ने लगाया है। यह पूरा प्रोजेक्ट 56 लाख का था। लेकिन हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति को प्रोजेक्ट बंद होने का हवाला देकर काम बंद करा दिया गया। इस खेल में रायपुर सीसीएफ नायक सहित कई अफसर शामिल हैं।

हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति अध्यक्ष का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों ने बिल भुगतान के लिए रिश्वत की डिमांग भी की गई। वन विभाग के द्वारा रिश्वत लेने का भी वीडियो है। वन विभाग में हुए इस भ्रष्टाचार का खुलासा आरटीआई से मिले दस्तावेज के आधार हुआ है। हम अपने चैनल के माध्यम से सभी सबूतों व वीडियो के साथ-साथ अधिकारियों के नामों और कारनामों को अगले एपीशोड में जल्द की खुलासा करेंगे।

हरितिमा पर्यावरण सरंक्षण सेवा समिति अध्यक्ष सीसीएफ ऑफिस के सामने कल यानि 15 सितंबर को धरना देंगे। इसके बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिला और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो जीवनलीला समाप्त करने की चेतावनी भी दी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)